हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-330, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 16 मई 2026

15 जून तक पूर्ण हो जाएगी गोड़धोइया नाला परियोजना...02

उत्तर प्रदेश आदर्श प्लास्टिक व्यापार ...06

चांदी एक दिन में 18,693, सोना 2,949 सस्ता

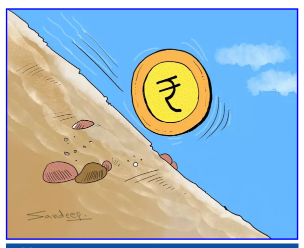

डॉलर के मुकाबले रुपया 96.14 पर आया, यह ऑलटाइम लो

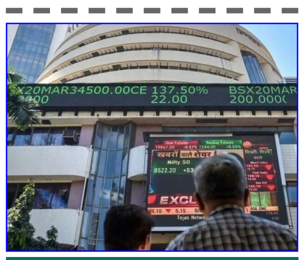

सेंसेक्स 160 अंक गिरकर 75,237 पर बंद

पेट्रोल-डीजल 3-3 महंगे हुए, नई कीमतें लागू

दिल्ली में पेट्रोल 97.77 लीटर हुआ, कंपनियों को अभी भी 25-30 प्रति लीटर का घाटा

पड़ोसी देशों में बढ़े दाम, भारत में अब हुआ इजाफा

सरकार अब तक यह तर्क देती रही थी कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके चलते पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक बढ़ गईं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया।

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.09 खर्च करने होंगे। इस बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गलती मोदी सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। उन्होंने आगे कहा कि 3 रुपए का झटका तो लग चुका है, बाकी की वसूली अभी किस्तों में की जाएगी। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार की गलतियों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।

क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि 3 की यह बढ़ोतरी काफी नहीं है। अपना घाटा पूरी तरह खत्म करने और ब्रेक-ईवन यानी नो प्रॉफिट-नो लॉस की स्थिति में आने के लिए इन कंपनियों को अभी पेट्रोल के दाम 28 प्रति लीटर और डीजल के दाम 32 प्रति लीटर तक बढ़ाने की जरूरत है। फिलहाल पेट्रोल पर 29.5 प्रतिशत और डीजल पर 36.5 प्रतिशत की कमी बनी हुई है। अगर ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट में सप्लाई इसी तरह प्रभावित रही, तो आने वाले दिनों में और भी इजाफा देखने को मिल सकता है। इससे पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर ?10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद यह 11.90 रुपए रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 रुपए से घटकर 7.8 रुपए पर आ गई थी। सरकार का ये फैसला पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए था। इस निर्णय की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे।

2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं।

हम परमाणु हथियार नहीं चाहते, जहाजों को देंगे रास्ता

अब्बास अराघची ने कहा, शांति वार्ता में भारत निभाए भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारत और ईरान के रिश्तों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता और मजबूत रणनीतिक सहयोग मौजूद है। उन्होंने भारतीय सरकार और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मेहमाननवाजी की खुलकर सराहना की। अराघची ने कहा कि पिछले दो महीनों के दौरान, जब उनके देश पर आक्रामक कार्रवाई हो रही थी, तब भी भारत लगातार संपर्क में रहा। उन्होंने कहा कि भारत ने न सिर्फ कूटनीतिक समर्थन दिया बल्कि मानवीय सहायता के जरिए भी ईरानी जनता के साथ एकजुटता दिखाई। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा हम भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देते हैं। भारत हमेशा से इस क्षेत्र में संतुलित और सम्मानजनक भूमिका निभाता रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर अराघची ने अमेरिका और इस्राइल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत चल रही थी, उसी दौरान अमेरिका और इस्राइल ने हमला कर दिया। उन्होंने कहा हम कूटनीति के बीच थे, लेकिन उसी समय हम पर हमला हुआ। यह पूरी तरह उकसावे वाली कार्रवाई थी। अराघची ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने ईरान और अमेरिका के बीच भरोसे को और कमजोर कर दिया है। उनके मुताबिक, आज अमेरिका की तरफ से एक संदेश आता है और अगले दिन दूसरा। यही अविश्वास की सबसे बड़ी वजह है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलहाल संघर्ष विराम लागू है, लेकिन हालात अभी भी बेहद नाजुक बने हुए हैं।

नीट-यूजी की 21 जून को होगी दोबारा परीक्षा 14 जून तक जारी होंगे एडमिट कार्ड: प्रधान

नयी दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घोषणा की है कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी और छात्रों को 14 जून तक प्रवेश पत्र जारी कर दिए जाएंगे। श्री प्रधान ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगले वर्ष से नीट परीक्षा ओएमआर शीट के बजाय कंप्यूटर आधारित मोड में कराई जाएगी। साथ ही इस बार दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों को अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा शहर चुनने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा, ताकि उन्हें यात्रा और अन्य परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तीन मई को आयोजित परीक्षा के बाद सात मई को कुछ शिकायतें सामने आई थीं, जिसके बाद सरकार ने तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच में 12 मई तक यह स्पष्ट हो गया कि गेस पेपर के नाम पर असली प्रश्नपत्र के सवाल बाहर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि शिक्षा माफिया की वजह से किसी मेहनती और ईमानदार छात्र का भविष्य प्रभावित हो। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। परीक्षा माफियाओं के खिलाफ सरकार की लड़ाई जारी रहेगी और इस बार जांच एजेंसियां पूरी सख्ती से कार्रवाई करेंगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को कठोर दंड भुगतना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने की अपील भी की। डिजिटल युग में फर्जी खबरें बड़ी चुनौती बन चुकी हैं, इसलिए छात्र और अभिभावक केवल सरकार या एनटीए की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। जीरो एरर सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाया जाएगा।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की जानकारी नहीं

सीएम शुभेंदु बोले, जांच के बाद होगी कार्रवाई, टीएमसी ने लगाया आरोप

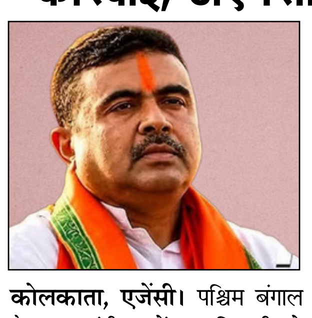

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि उनकी सरकार के पास चुनाव बाद किसी भी तरह की हिंसा की आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल टीएमसी की ओर से लगाए गए इन आरोपों की पहले उचित जांच और सत्यापन किया जाएगा, उसके बाद ही कोई कार्रवाई होगी। विधानसभा के नए सत्र के दौरान विपक्ष के नेता सोभनदेव चट्टोपाध्याय ने राज्य में चुनाव बाद हिंसा का मुद्दा उठाया था। चट्टोपाध्याय ने आरोप लगाया कि राज्य के कई हिस्सों में हिंसा के कारण लोग अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। उन्होंने सदन में मांग की कि सरकार को इन घटनाओं पर सख्त रुख अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी विधायक के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, हमें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। यदि कोई भी व्यक्ति विस्थापित हुआ है, तो पुलिस और प्रशासन यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षित अपने घर लौटें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हिंसा में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून अपना काम करेगा। सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा विधायक रथिंद्र बोस को निर्विरोध पश्चिम बंगाल विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया।

एमपी हाईकोर्ट ने धार भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना

अयोध्या केस को फैसले का आधार बनाया, मुस्लिमों को नमाज की इजाजत देने का आदेश खारिज

धार, एजेंसी। भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हिंदू पक्ष के वकील के अनुसार अदालत ने भोजशाला परिसर को हिंदू मंदिर माना है। कोर्ट ने जैन समाज और मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं को खारिज कर दिया है।यह निर्णय भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिस पर अदालत ने भरोसा जताया है। भोजशाला मामले में अदालत के फैसले ने परिसर को देवी वाग्देवी के मंदिर के रूप में मान्यता दी है। वहीं इस मामले में एक हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट चला गया है। जितेन्द्र सिंह विशन द्वारा अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि उपरोक्त मामले में उनको सूचना दिए बिना कोई आदेश न दिया जाए। विशन इस मामले में छठे याचिकाकर्ता थे, जिस पर इंदौर की उच्च न्यायालय की पीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। धार भोजशाला मामले पर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इंदौर उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 7 अप्रैल, 2003 के एएसआई के आदेश को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। इसके अलावा, न्यायालय ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार प्रदान किया है और भोजशाला परिसर को राजा भोज की संपत्ति के रूप में मान्यता दी है। लंदन के एक संग्रहालय में रखी हमारी मूर्ति को वापस लाने की मांग के संबंध में, न्यायालय ने सरकार को इस अनुरोध पर विचार करने का निर्देश दिया है; न्यायालय ने यह भी कहा है कि मुस्लिम पक्ष भी सरकार के समक्ष अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है।

इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने सरकार से मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने को कहा है। न्यायालय ने हमें पूजा-अर्चना करने का अधिकार प्रदान किया है और सरकार को स्थल के प्रबंधन की निगरानी करने का निर्देश दिया है। एएसआई का पिछला आदेश, जिसमें नमाज अदा करने का अधिकार दिया गया था।

भारत ने सुरक्षा परिषद के विस्तार पर दिया जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, प्रभावशीलता के लिए बदलाव जरूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के विस्तार की जोरदार वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि इसमें सुधार किए बिना इस वैश्विक निकाय की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता सीमित बनी रहेगी। जयशंकर ने यह टिप्पणी नयी दिल्ली में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में की। उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में मुलाकात कर रहे हैं, जब वैश्विक शासन की प्रभावशीलता और बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, आज की दुनिया उस समय की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़ी, जटिल और बहुध्रुवीय हो चुकी है, जब हमारी कई मौजूदा संस्थाओं की स्थापना हुई थी। फिर भी, वैश्विक शासन की संरचनाएं इन बदलावों के अनुरूप नहीं बदल पाई हैं। जयशंकर ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय निकायों और बहुपक्षीय व्यापार प्रणालियों में सुधार के लिए दबाव डालने हेतु चार विशिष्ट बिंदुओं को सूचीबद्ध किया और जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र और उसके सहायक निकायों का सुधार केंद्रीय बना हुआ है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र की सदस्य संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। इसके बावजूद, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद जैसी प्रमुख संस्थाएं अब भी पुराने दौर की झलक पेश करती हैं।

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई पर समझौता, राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला, मोदी बोले,

पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत हर मदद को तैयार

दुबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी का यूएई दौरा खत्म हो गया हैं। उनका यह दौरा केवल करीब 180 मिनट का था। इस दौरे में भारत और यूएई के बीच कई समझौतों पर सहमति बनी। इसमें एलपीजी सप्लाई और ऊर्जा समझौता सबसे अमह माना जा रहा है। इसके अलावा, पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बारे में भी बात हुई। पीएम 15 से 17 मई तक (3 दिन) नीदरलैंड दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। यह दौरा भारत और नीदरलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनाने के लिहाज से काफी अहम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बातचीत में कहा कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूएई के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने यूएई को अपना दूसरा घर बताते हुए गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने कहा, मैं इस शानदार स्वागत के लिए दिल से आभार जताता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि यूएई एयर फोर्स के लड़ाकू विमानों द्वारा उनके विमान को एस्कॉर्ट किया जाना भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इस दौरे के नतीजे दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करेंगे और विकास को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूएई में सभी कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं।

मोदी सरकार निर्मित है देश का ईंधन संकट: खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में उत्पन्न ईंधन समस्या को मोदी सरकार निर्मित संकट करार दिया और कहा कि इसके लिए सरकार में बैठे लोगों में दूरदर्शिता का अभाव तथा उनकी अक्षमता जिम्मेदार है। श्री खरगे ने शुक्रवार को यहां कहा कि देश की जनता को यह समझना होगा कि वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह मोदी सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव और अयोग्यता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकट का खामियाजा जनता को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बढ़े दामों के रूप में अपनी जेब से भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डीजल की कीमतों में वृद्धि का महंगाई पर व्यापक प्रभाव होता है और इससे पूरे देश में महंगाई की श्रृंखलाबद्ध मार पड़ती है, जिसका असर उद्योगों, किसानों और घरेलू बजट पर होता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के समय सरकार ने स्थिति को सामान्य बताने का प्रयास किया और कांग्रेस पार्टी द्वारा उठाए गए वाजिब सवालों को खारिज किया है। उनका कहना था कि रूस से तेल खरीद को लेकर मार्च में अमेरिका ने 30 दिन की छूट की अनुमति देने जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को ऐसी स्थिति में क्यों पहुंचा दिया कि भारत को अनुमति मांगनी पड़े। श्री खरगे ने कहा कि चुनाव के दौरान केंद्र सरकार यह संदेश देती रही कि सब कुछ सामान्य है लेकिन अब संकट बढ़ने पर प्रधानमंत्री लोगों को घर से काम करने और ईंधन बचाने की सलाह दे रहे हैं।

मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा, तय समय से 5 दिन पहले, महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 45 डिग्री पार

राजस्थान का फलोदी सबसे गर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि मानसून केरलम में 26 मई को दस्तक दे सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, फिर देश के दूसरे हिस्सों को कवर करने के लिए उत्तर की ओर बढ़ता है। पिछले साल मानसून 24 मई को आया था। 2025 में सामान्य से 8 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई थी। 30 सितंबर 2025 को मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया था कि पूरे देश में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश (937.2 मिमी) दर्ज की गई। आईएमडी चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने इसे बहुत सफल सीजन बताया था। हालांकि देश के कई हिस्सों में अभी भी बारिश जारी है। यूपी में बुधवार को आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया। उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40 डिग्री सेससियस के पार दर्ज किया गया।

बंधक बनाए गए नगा और कुकी समुदाय के 28 लोगों को रिहा किया गया

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा बंधक बनाए गए कुकी और नगा समुदायों के 38 लोगों में से 28 को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुधवार को कांगपोकपी में संदिग्ध उग्रवादियों ने गिरजाघर के तीन पदाधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी और चार अन्य को घायल कर दिया, जबकि नोनी जिले में एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। इसके बाद इन लोगों को अज्ञात क्षेत्रों में ले जाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाई गई कोंसाखुल गांव की 12 नगा महिलाओं को मखान गांव में रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि सेनापति जिले में बंधक बनाए गए कुकी समुदाय के चार पुरुषों और 10 महिलाओं को बृहस्पतिवार देर रात सुरक्षा बलों के हवाले कर दिया गया।

सीजेआई बोले, बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे

ये मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कुछ बेरोजगार युवाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे कॉकरोच जैसे हैं, जो आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं। फिर व्यवस्था पर सवाल उठाने लगते हैं। यह टिप्पणी उस समय आई ,जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ एक वकील की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में वकील ने वरिष्ठ वकील का दर्जा पाने की कोशिश कर रहा था। कोर्ट ने इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि समाज में पहले से ही कुछ ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता वकील से कहा, पूरी दुनिया वरिष्ठ (वकील) बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। सीजेई ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि अगर दिल्ली हाईकोर्ट याचिकाकर्ता को वरिष्ठ वकील का पदनाम प्रदान करता है, तो सुप्रीम कोर्ट उनके पेशेवर आचरण को देखते हुए इसे रद्द कर देगा। सीजेआई ने फेसबुक पर याचिकाकर्ता की ओर से इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं?

15 जून तक पूर्ण हो जाएगी गोड़धोइया नाला परियोजना

➯ गोड़धोइया नाला परियोजना के कार्यों का दो स्थानों पर स्थलीय निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने की घोषणा ➯ गोरखपुर में जल भराव एक बड़ी चुनौती थी, अब समस्या का समाधान- मुख्यमंत्री

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम गोड़धोइया नाला परियोजना के कार्यों का दो स्थानों (जीरो पॉइंट जंगल छत्रधारी और बिछिया एसटीपी) पर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अब तक हुए कार्यों पर संतोष जताते हुए शेष बचे कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद बिछिया एसटीपी के पास उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यह परियोजना 15 जून तक पूर्ण हो जाएगी और उसके बाद एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 495 करोड़ रुपये की लागत वाले गोड़धोइया नाला परियोजना (पक्का नाला निर्माण, डायवर्जन, इंटरसेप्शन और ट्रीटमेंट की परियोजना) के कार्यों का जायजा लेने सबसे पहले इसके जीरो पॉइंट जंगल छत्रधारी पहुंचे। यहां उन्होंने निर्माण कार्य, पक्के नाले में जल प्रवाह को देखने के साथ ही परियोजना के ड्राइंग मैप व मॉडल का अवलोकन किया। कार्यदायी संस्था जल निगम (शहरी) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना की अब तक की कुल भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 9.25 किमी की लंबाई में नाला निर्माण हो चुका है। 38 एमएलडी की एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) बन गई और वर्तमान में इसका ट्रायल रन चल रहा है। 61 एमएलडी क्षमता के पंपिंग स्टेशन का भी कार्य पूर्ण हो गया है और इसका भी ट्रायल रन किया जा रहा है। 17.94 किमी इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन में से 17.50 किमी तक काम हो गया है, शेष कार्य भी जारी है। 14 ब्रिज/कल्वर्ट भी बन गए हैं। शेष कार्य को भी तेजी से कराया जा रहा है। यह परियोजना एक मृत नाले को पुनर्जीवित करने का माध्यम बनी है। शहर के उत्तरी छोर की पांच लाख आबादी को मिलेगी बड़ी राहत इसके बाद सीएम योगी इस परियोजना के तहत बिछिया में बन रहे एसटीपी पर पहुंचे। एसटीपी का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने यहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत 2.0 कार्यक्रम के तहत 15 जून तक गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के सभी काम पूर्ण हो जाएंगे। इससे इस वर्ष मानसून से पहले आधे शहर की जलभराव की समस्या दूर हो जाएगी। परियोजना का काम पूरा होते शहर के उत्तरी छोर की करीब पांच लाख आबादी को बड़ी राहत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में जल भराव एक बड़ी चुनौती थी। इससे जल जनित और मच्छर जनित बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा था। अब इस समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि गोड़धोइया नाला अब न केवल अतिक्रमण मुक्त हो गया है बल्कि जल भराव की समस्या को दूर करने का भी बड़ा माध्यम बन रहा है। उन्होंने बताया कि वन महोत्सव के दौरान इस नाले के दोनों तरफ पौधरोपण अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा। ईज ऑफ लिविंग का मॉडल बन रहा गोरखपुर सीएम योगी ने कहा कि किसी भी शहर की सूरत को बदलने, लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने और ईज ऑफ लिविंग को सर्वोत्तम बनाने के लिए क्या मॉडल होना चाहिए, आज गोरखपुर शहर उसका एक उदाहरण बन रहा है। पिछले 9 वर्ष में गोरखपुर महानगर ने बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की हैं। आज गोरखपुर में चारो दिशाओं से फोरलेन सड़कों की कनेक्टिविटी है। गोरखपुर में रामगढ़ताल का सुंदरीकरण हो चुका है। गोरखपुर में जल निकासी की उचित व्यवस्था, खुले नालों को बंद करने की व्यवस्था तथा उसमें बहने वाले जल को उपचारित करने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि कभी छोटी नदी रही गोड़धोइया नाला एक गंदा नाला बन चुका था। यह जंगल छत्रधारी होते हुए रामगढ़ताल में गिरता था। पहले यह नाला गंदगी, प्रदूषण, मच्छर, जलजमाव का कारण बन जाता था। आज इसका पुनरूद्धार कर इसे अत्याधुनिक मॉडल के रूप में खड़ा किया जा रहा है। नाले के दोनों तरफ मिलेगा वैकल्पिक मार्ग मुख्यमंत्री ने कहा अब गोड़धोइया नाले में कोई सीवर और कोई गंदा नाला नहीं गिर रहा है, इसमें केवल शुद्ध पानी प्रवाहित होगा। सीवर और ड्रेनेज के लिए इसमें दोनो तरफ अलग से लाइन बिछायी गयी है, जो भूमिगत है। उन्होंने कहा कि करीब 9.5 किमी का आरसीसी से निर्मित किया नाला 9 मीटर चौड़ा है। वर्षा काल में यह नाला गोरखपुर महानगर के जल को रामगढ़ताल, तरकुलानी होते हुए राप्ती नदी में छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि इस नाले में 14 कलवर्ट/ब्रिज बनाए गए हैं जो इस पार से उस पार तक आवागमन को आसान बनाएंगे। इस नाले के दोनों तरफ सड़क के निर्माण कार्य को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे इस क्षेत्र के लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग प्राप्त होगा। जल जमाव, मच्छर व बीमारी की समस्या का स्थायी समाधान सीएम योगी ने कहा कि इस परियोजना में 38 एमएलडी की एसटीपी और 61 एमएलडी क्षमता के पंपिंग स्टेशन का भी निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि गोड़धोइया नाले के पुनरूद्धार का निर्माण कार्य को लगभग 15 जून तक पूर्ण करने का प्रयास है। इससे गोरखपुर को जल जमाव, मच्छर व बीमारी की समस्या का स्थायी समाधान प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि मोहल्लों की गंदगी अब सीवर लाइन से सीधे एसटीपी तक पहुंचाकर उसका शोधन होगा। इससे इस क्षेत्र की लगभग 5 लाख आबादी लाभान्वित होगी। नालों में प्लास्टिक और गंदगी न फेंके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नलने कहा कि आज गोरखपुर विकास का मॉडल बना है। नगर निगम गोरखपुर स्वच्छता का मॉडल प्रस्तुत कर रहा है तथा गोरखपुर विकास प्राधिकरण कन्वेंशन सेंटर तथा नए-नए आवासीय कालोनी का निर्माण कर रहा है। आज गोरखपुर के विकास के लिए अलग अलग योजनाओं के माध्यम से धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। यह गोड़धोइया नाला भी उसी का एक हिस्सा है। 15 जून तक इसके निर्माण कार्य पूर्ण होने पर इसका उद्घाटन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज जब नगर निगम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के मिशन को आगे बढ़ाने में प्रतिबद्ध है तो हम नागरिकों का भी यह दायित्व है कि हम प्लास्टिक का उपयोग न करे, नालों में प्लास्टिक, कपड़े, गंदगी आदि न फेंके। यदि ऐसा हम करेंगे तो हमारा शहर स्वच्छ व सुंदर होगा। इससे वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित होगी और गोरखपुर समृद्धि के नए लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, क्षेत्रीय पार्षद आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शोधित पानी जाएगा रामगढ़ताल में बिछिया जंगल तुलसीराम पश्चिमी, शिवपुर शहबाजगंज, जंगल शालिग्राम, बिछिया जंगल तुलसीराम पूर्वी, रेलवे बिछिया कॉलोनी, शाहपुर, भेड़ियागढ़, घोसीपुरवा, सेमरा, बशारतपुर, मानबेला, राप्तीनगर, लोहिया नगर, जंगल नकहा, राम जानकी नगर, शक्तिनगर एवं चक्सा हुसैन से जनित सीवेज जो नाले में बहते हैं, उन्हें 38 एमएलडी एसटीपी पर शोधित कर रामगढ़ताल में प्रवाहित किया जाएगा। नाला अतिक्रमण मुक्त होने से इसके कैचमेंट एरिया (अधिग्रहण क्षेत्र) में आने वाली विभिन्न कालोनियों में जलभराव की समस्या का भी निदान हो जाएगा।

आरोहम 2026' में प्रतिभाओं ने बिखेरा कला का रंग।

➢ डालिम्स सनबीम ग्लोबल स्कूल रामकटोरा में गायन-नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। डालिम्स सनबीम ग्लोबल स्कूल, रामकटोरा में आयोजित 'आरोहम 2026' फिनाले कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के संस्थापक द्वय के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रतियोगिता के लिए तीन चरणों के ऑडिशन के बाद चयनित प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्गों में गायन एवं नृत्य प्रस्तुत कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. ममता टंडन, पंडित भोलानाथ मिश्र एवं पंडित आनंद मिश्रा उपस्थित रहे। विद्यालय समूह की निदेशिका श्रीमती पूजा मधोक ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि 'आरोहम 2026' विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, सृजनात्मकता एवं टीम भावना का विकास होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा संगीत, कला एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति युवाओं में जागरूकता विकसित करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

वेनिस बिएनाले में अपनी चमक बिखेर रहा भारतीय पवेलियन रिमेंबरिंग होम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वेनिस। विश्व की सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों में से एक, वेनिस बिएनाले में भारतीय कला की अद्भुत झलक देखने को मिल रही है। इस बार भारत पवेलियन की थीम 'दूरियों का भूगोल- घर की यादें' रखी गई है। यह थीम बदलती दुनिया में घर की भावना, स्मृति, प्रवासन और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। वेनिस बिएनाले 2026 (61वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी) में भारत ने 7 साल के लंबे अंतराल के बाद अपने राष्ट्रीय पवेलियन (भारत मंडप) के साथ धमाकेदार वापसी की है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वेनिस, इटली के ऐतिहासिक आर्सेनाले स्थित आइसोलोटो गोदाम में किया। यह प्रदर्शनी 9 मई से 22 नवंबर 2026 तक जनता के लिए खुली रहेगी। इस विशेष प्रदर्शनी का संयोजन (क्यूरेशन) प्रसिद्ध कला विशेषज्ञ डॉ. अमीन जाफर द्वारा किया गया है। संस्कृति मंत्रालय ने इस मंडप को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) और सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के साथ सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) के तहत प्रस्तुत किया है। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा 61वें वेनिस बिएनाले में इंडियन पवेलियन दर्शकों को यादों, अपनेपन और पहचान की एक यात्रा पर ले जाता है। 'दूरियों का भूगोल- घर की यादें' समकालीन भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति से गढ़ा गया एक मनमोहक अनुभव प्रदान करता है। इसके अलावा भारत की सार्वजनिक कूटनीति को दर्शाने वाले विदेश मंत्रालय के 'इंडियन डिप्लोमेसी' के एक्स अकाउंट से भी भारतीय पवेलियन द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुति को साझा किया गया। इस पोस्ट में लिखा गया शानदार परफॉर्मेंस से लेकर मनमोहक इंस्टॉलेशन तक, वेनिस बिएनाले में इंडिया पवेलियन दुनिया भर के दर्शकों को लगातार अपनी ओर खींच रहा है। इस प्रदर्शनी में भारत की ओर से पांच प्रमुख समकालीन कलाकार अलवर माध्यम से एकजुट ये कृतियां द्विवार्षिक प्रदर्शनी के मुख्य विषय, इन माइनर कीज़, को दर्शाती हैं। पूरे पवेलियन में घर खंडित, अधर में लटका हुआ, ढांचे पर टिका हुआ और पुनर्कल्पित रूप में दिखाई देता है। ये कृतियां परिवर्तन की एक साझा स्थिति को दर्शाती हैं और कलाकार मिलकर एक ऐसी सामूहिक आवाज का निर्माण करते हैं, जो भारतीय पहचान में गहराई से निहित होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी गूंजती है। बालासुब्रमण्यम (बाला), रंजनी शेट्टार, सुमाक्षी सिंह, स्कार्मा सोनम ताशी और आसिम वक़ीफ़ की कृतियां एक साथ प्रस्तुत की गई हैं, जिनकी कलाकृतियां गहन परिवर्तन के दौर में घर के अर्थ को प्रतिबिंबित करती हैं। भारतीय सभ्यता में गहराई से निहित सामग्रियों, जैसे मिट्टी, धागा, बांस, पेपर-मैशे और हाथ से निर्मित प्राकृतिक संरचनाओं के

रिश्तों को नई दिशा देगा मार्गेरिटा का कैरेबियन व लैटिन अमेरिकी दौरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

रोज़ो। विदेश राय मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने 8 से 15 मई तक मध्य अमेरिका और कैरेबियाई देशों का एक महत्वपूर्ण आधिकारिक दौरा किया। मार्गेरिटा की कोस्टा रिका, होंडुरास, बेलीज और डोमिनिका की यात्रा भारत के लिए लैटिन अमेरिकी और कैरेबियन देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को गहरा करने, बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन हासिल करने, व्यापार, प्रौद्योगिकी, और भारत की अनुदान सहायता से चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही। अपनी यात्रा के पहले चरण में कोस्टा रिका में राय मंत्री ने नवनियुक्त राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जो इस क्षेत्र के छोटे देशों के साथ भारत की राजनयिक घनिष्ठता को दर्शाता है। वहीं यात्रा के अगले चरण में होंडुरास के विदेश मंत्री और प्रथम उपराष्ट्रपति के साथ उच स्तरीय बैठकों के माध्यम से संस्थागत सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों की गति को और तेज किया गया। होंडुरास, बेलीज और डोमिनिका में, दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य, योग, सिनेमा, कला और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया। बेलीज और डोमिनिका में मंत्री ने उन विभिन्न विकास और अवसंरचना परियोजनाओं के स्थलों का दौरा किया, जो भारत द्वारा दी गई अनुदान सहायता के माध्यम से लागू की जा रही हैं। बेलीज की गवर्नर-जनरल डेम फोयला त्ज़ालम के साथ मुलाकात के दौरान भारत द्वारा समर्थित जमीनी स्तर की विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। राय मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा बेलीज़ के स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री केविन बर्नार्ड और कृषि, खाद्य सुरक्षा एवं नवीन विकास मंत्री रॉडवेल फर्ग्यूसन से मिलकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा और कृषि के क्षेत्र में भारत-बेलीज़ सहयोग को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई। इसके बाद अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव में मार्गेरिटा ने डोमिनिका का दौरा किया और अक्टूबर 2018 के बाद से भारत की ओर से यह पहली मंत्री-स्तरीय यात्रा रही। यह लंबे समय से अछूते रहे कैरेबियाई देशों के साथ राजनयिक शून्यता को भरने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मार्गेरिटा ने एक्स पर लिखा कैरिबियन के खूबसूरत प्रकृति के द्वीप, डोमिनिका गणराय पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत के लिए विदेश मंत्री डॉ. विंस हेंडरसन का धन्यवाद। डोमिनिका के नेतृत्व के साथ सार्थक चर्चाओं का बेसब्री से इंतज़ार है। इस दौरे ने भारत को ग्लोबल साउथ के इन छोटे लेकिन महत्वपूर्ण देशों के साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी, और क्षमता निर्माण (आईटीईसी प्रोग्राम्स) में साझेदारी बढ़ाने का एक सीधा मंच प्रदान किया है।

रुदौली के मुख्य मार्ग पर बहता रहा नाली का गंदा पानी

जुमे के दिन लोगों को उठानी पड़ी भारी परेशानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। आदर्श नगर पालिका परिषद रुदौली नगर के व्यस्ततम मार्ग नवाब बाज़ार पुरुषोत्तम वार्ड में शुक्रवार को पूरे दिन नाली का गंदा पानी सड़कों पर बहता रहा जिससे राहगीरों दुकानदारों और नमाज़ के लिए आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा जुमे के दिन मुस्लिम आबादी वाले इलाके में पूरे दिन सड़क पर फैली गंदगी और बदबू से लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिला स्थानीय लोगों का आरोप है कि वार्ड सभासद की लापरवाही के चलते नालियों की नियमित सफाई नहीं हो रही है जिसकी वजह से गंदा पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य सड़क पर फैल गया। सबसे अधिक परेशानी नमाज़ियों,व्यापारियों और स्कूली बच्चों को हुई दुकानदारों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी वार्ड सभासद इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है लोगों ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि नगर के मुख्य मार्ग की यह हालत होने के बावजूद चेयरमैन और संबंधित वार्ड सभासद को समस्या दिखाई नहीं दे रही है नगर के नागरिक आलोक चौरसिया ताबिश अंसारी और अशरफ अली ने कहा जुमे जैसे महत्वपूर्ण दिन पर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में गंदे पानी का सड़क पर बहना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है लोगो का कहना कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे रुदौली वासियों ने मांग की है कि तत्काल नालियों की सफाई कराकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके इस संबंध में अधिशासी अधिकारी प्रेम नाथ से बात करने का प्रयास किया गया परंतु उनका फ़ोन नहीं लगा।

अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम अयोध्या ने अभियुक्त की जमानत की मंजूर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के थाना कोतवाली अयोध्या में दर्ज अपराध संख्या 277/2026 धारा 69, 191(2),115(2), 352 एवं 351(3) बीएनएसएस के मामले में अभियुक्त मोहम्मद शाहरुख उर्फ शादाब पुत्र हारून निवासी जोगियाना रानोपाली, थाना कोतवाली,जनपद अयोध्या की जमानत अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम अयोध्या द्वारा मंजूर कर ली गई। विदित हो कि वादिनी की मां की तहरीर पर थाना कोतवाली अयोध्या पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था तथा गिरफ्तारी के उपरांत उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान अभियुक्त पक्ष की ओर से अधिवक्ता अरशद शेरा ने प्रभावी बहस करते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि अभियुक्त के विरुद्ध लगाए गए आरोप असत्य एवं तथ्यहीन हैं तथा पुलिस द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के उपरांत माननीय न्यायालय ने अभियुक्त को राहत प्रदान करते हुए जमानत मंजूर कर ली। पूरे मुकदमे की पैरवी अधिवक्ता अरशद शेरा द्वारा की गई।

भाषा विवि में दो पालियों में 25 परीक्षार्थी पकड़े गए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाएं शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण में दो पालियों में सम्पन्न हुईं। परीक्षाओं के दौरान सतर्क निगरानी, निरीक्षण दलों की सक्रियता तथा परीक्षा कक्षों में अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके। प्रथम पाली में आयोजित परीक्षा में कुल 1095 परीक्षार्थियों ने सहभागिता की। परीक्षा के दौरान निरीक्षण टीम द्वारा 9 परीक्षार्थियों को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। वहीं द्वितीय पाली में कुल 966 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें 16 परीक्षार्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए गए। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 25 परीक्षार्थियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी परीक्षा की गरिमा बनाए रखने के लिए कठोर कदम निरंतर जारी रहेंगे।

बंद घरों में चोरी करने वाले 3 शातिर चोर गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । ठाकुरगंज थाना पुलिस ने बंद घरों में चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कीमती जेवरात और 25 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक,आरोपी बंद पड़े घरों को निशाना बनाकर ताला तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मूसाबाग खंडहर के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नूर मोहम्मद उर्फ बाबू, मोहम्मद हमजा और आनंद यादव शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से मंगलसूत्र, पायल,बिछिया समेत अन्य जेवरात और 25 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

टायरथोन की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। टायराथोन एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में जिला टायरथोन एसोसिएशन ऑफ लखनऊ के द्वारा शुक्रवार को बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इंटर कॉलेज में टायरथोन की एक जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के सब जूनियर कैटेगरी बालक वर्ग में सभी प्रतियोगियों को पिछाड़कर प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक अवनीश ने अपने नाम किया। आलोक यादव को सिल्वर एवं आशीष यादव को ब्रोंज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। सब जूनियर बालिका वर्ग में सानिया ने गोल्ड,साहिबा ने सिल्वर एवं अंशिका ने ब्रॉस मेडल जीतकर जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा बनवाया। अंडर 18 बालक वर्ग में एक रोमांचक मुकाबले में अनुराग विश्कर्मा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अनिकेत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए प्रतियोगिता का सिल्वर पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता का कांस्य पदक अनुराग को मिला। जूनियर बालिका वर्ग मे सुभी ने स्वर्ण पदक, शोभना ने सिल्वर व रुशाली कश्यप ने ब्रास मेडल अपने नाम किया 7 प्रतियोगिता का उद्घाटन बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य उमाकांत बाजपेई के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने बच्चों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को शुभकामनाएं दीं । इस प्रतियोगिता को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में विद्यालय के खेल शिक्षक आलोक भारद्वाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर टायराथोन एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव आलोक भारद्वाज, उपप्रधानाचार्य पंकज मिश्रा, प्रवक्ता शैलेश त्रिपाठी एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे 7

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से बढ़ेगी महंगाई - योगेंद्र सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश युवा महामंत्री योगेन्द्र सिंह ने पेट्रोल एवं डीजल के दामों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि को आम जनता एवं व्यापारियों के लिए असहनीय पीड़ा बताया है 7 उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि होने से परिवहन खर्च बढ़ेगा, जिसका सीधा असर खाद्य पदार्थों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं एवं आवश्यक सेवाओं की कीमतों पर पड़ेगा। जिससे महंगाई बढ़ेगी। इसका सबसे अधिक प्रभाव मध्यम एवं निम्न वर्ग के लोगों पर पड़ेगा। क्योंकि उनकी आय सीमित है जबकि खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पेट्रोल डीजल की बढ़ोत्तरी केवल वाहनों के संचालन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग कृषि एवं माल परिवहन का भी प्रमुख आधार हैं। ऐसे में ईंधन महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ेगी और बाजार में वस्तुएं महंगी होंगी।

बहुजन समाज के प्रबुद्ध जनों से अपील

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। हमारे महापुरुषों ने कहा है कि 卐जो व्यक्ति अपना इतिहास नहीं जानता वह कभी इतिहास नहीं बना सकता।卐 बहुजन समाज के पुरखों के द्वारा आजादी आंदोलन, अंधविश्वास, पाखंडवाद, शिक्षा, समाज सुधार, राजनीतिक कार्य व महिलाओं के उत्थान के लिए किए गए महान कार्यों को इतिहास के आईने से दूर रखा गया। जिसे जाने बिना बहुजन समाज जागरूक नहीं हो सकता। इन महापुरुषों में से 26 महापुरुषों, वीरांगनाओं व नायिकाओं के संक्षिप्त इतिहास को बहुजन समाज को बताने के लिए 卐बहुजन पथ प्रदर्शक卐 नामक पुस्तक का संपादन मेरे द्वारा किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती दिनांक 14 अप्रैल 2026 को हो चुका है तथा पुस्तक बिक्री हेतु उपलब्ध है। इस पुस्तक का मूल्य रुपए 160 है, परंतु सहयोग राशि के रूप में मात्र ?100 में बिक्री की जा रही है। इस पुस्तक की अब तक ढाई सौ से अधिक प्रतियां विक्रीत हो चुकी हैं। बहुजन अधिकारों के प्रति कुछ जागरूक साथियों के द्वारा 10-10, 5-5 प्रतियां लेकर अपने रिश्तेदारों और मित्रों को भी भेजी जा रही है, जैसे अमृतलाल साहू पीसीएस सेनि 5 प्रतियां, सुरेश कुमार जायसवाल, रिटायर्ड डीडीसी 5 प्रतियां, श्री पी पी पाल, वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी (से नि) 10 प्रतियां, श्री जितेंद्र कुमार बाराबंकी 10 प्रतियां, श्री जियालाल सरोज पीसीएस सेवानिवृत्ति 5 प्रतियां आदि। यह पुस्तक ग्रामीण क्षेत्रों में बहुजन समाज को जागरूक करने के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस पुस्तक में 1857 की क्रांति के सूत्रधार माता दीन भंगी, वीरांगना ऊदा देवी व झलकारी बाई, महामना ज्योतिबा फुले, क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले, समाज सुधारक नारायणा गुरु, आदिवासी मसीहा गोविंद गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज, बिरसा मुंडा, संत गाडगे बाबा, ईवी रामास्वामी पेरियार, स्वामी अछूतानंद, चौधरी सर छोटू राम, बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, सरदार ऊधम सिंह, शिवदयाल सिंह चौरसिया, जय भीम के जनक बाबू हरदास लक्ष्मण राव नगराले, जोगेंद्र नाथ मंडल, शहीद भगत सिंह, पेरियार ललई सिंह यादव, बीपी मंडल, जगदेव प्रसाद कुशवाहा, महामना रामस्वरूप वर्मा, जननायक कर्पूरी ठाकुर, प्रथम मुस्लिम महिला शिक्षिका फातिमा शेख व बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षिप्त रूप में प्रकाश डाला गया है।

नीट परीक्षार्थी रितिक मिश्रा की आत्महत्या पर आप प्रतिनिधिमंडल ने परिवार से की मुलाकात

➲ संजय सिंह ने फोन पर रितिक के परिजनों से बात कर जताई गहरी संवेदना, न्याय के संघर्ष में साथ रहने का दिया भरोसा
➲ तीसरी बार परीक्षा की तैयारी कर रहे रितिक को चयन की पूरी उम्मीद थी, भ्रष्ट परीक्षा व्यवस्था ने उसका भविष्य छीन लिया- संजय सिंह
➲ आप ने दोषियों पर हत्या का मुकदमा और पेपर लीक रोकने के लिए कठोर कानून की मांग उठाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर में नीट परीक्षार्थी रितिक मिश्रा का शव फंदे से लटका मिलने की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। घटना के बाद शुक्रवार को आप यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देशानुसार अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान आप यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने फोन पर रितिक के चाचा अनूप मिश्रा से बात कर परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और न्याय के संघर्ष में पूरी मजबूती से साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। संजय सिंह ने रितिक की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के बारे में जानकारी ली, जिस पर परिजनों ने बताया कि रितिक इससे पहले दो बार परीक्षा दे चुका था और इस बार उसका पेपर काफी अच्छा हुआ था। उसे अपने चयन की पूरी उम्मीद थी, लेकिन लगातार सामने आ रही पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की खबरों ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया। संजय सिंह ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह केवल एक छात्र की मौत नहीं बल्कि भ्रष्ट और असंवेदनशील परीक्षा व्यवस्था की विफलता है, जिसने एक होनहार युवा का भविष्य छीन लिया। पीड़ित परिवार ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि रितिक पिछले कई दिनों से बेहद परेशान और मानसिक दबाव में था। लगातार सामने आ रही पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और परीक्षा प्रणाली पर उठ रहे सवालों ने उसे अंदर तक तोड़ दिया था। परिवार ने कहा कि एक होनहार छात्र ने अपने सपनों के साथ-साथ अपने माता-पिता की पूरी दुनिया भी खो दी। मां-बाप ने अपना इकलौता बेटा खो दिया, लेकिन सरकार अब भी अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। इस मौके पर अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि यह केवल एक छात्र की मौत नहीं बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था पर लगा हुआ सबसे बड़ा कलंक है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन भाजपा सरकार हर बार केवल जांच और बयानबाजी तक सीमित रह जाती है। उन्होंने कहा कि जब मेहनती छात्र दिन-रात पढ़ाई करके अपने भविष्य के सपने देख रहे होते हैं, उसी समय सत्ता संरक्षित माफिया पैसे के बल पर पूरी परीक्षा प्रणाली को बेच देते हैं। यह सीधा-सीधा युवाओं के भविष्य की हत्या है और रितिक मिश्रा उसी भ्रष्ट तंत्र का शिकार हुआ है। आम आदमी पार्टी ने मांग की कि पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार के दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए। पार्टी ने यह भी मांग की कि केंद्र और राज्य सरकार परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए कठोर कानून लागू करे ताकि भविष्य में किसी और छात्र को इस तरह अपनी जान न गंवानी पड़े। प्रतिनिधिमंडल में अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल, विनय कुमार जाटव (प्रदेश अध्यक्ष पंचायत प्रकोष्ठ), अवधेश मौर्य (जिला अध्यक्ष सीतापुर), सुधीर वर्मा (जिला अध्यक्ष लखीमपुर खीरी), चंद्र मोहन मौर्या, अमित सिंह, अजय मौर्या, अमरीश वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम खुद ही गंदगी फैलाने पर अमादा

➢ मैथिली शरण गुप्त वार्ड में खाली प्लाट बन रहे बड़ी परेशानी,बीमारियों का बढ़ा खतरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए जाने को लेकर नगर आयुक्त गौरव कुमार भले ही तमाम प्रयास कर रहे हो लेकिन नगर निगम के कई क्षेत्रों में उनके मातहत उनके प्रयासों पर पानी फेरते नजर आ रहे है।कही कही हफ्तों सफाई नहीं होती तो कही नगर निगम कर्मी खुद गंदगी फैलाने पर आमादा है।जिससे शहर को स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल बनाने का सपना पूरा होता दिखाई नहीं पड़ रहा है।शहर के इंदिरानगर के मैथिली शरण गुप्त वार्ड में सफाई व्यवस्था राम भरोसे चल रही है।नागरिकों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों के घरों के आसपास सफाई व्यवस्था बेहतर है जबकि मोहल्ले दुर्दशा के शिकार है।

गाजीपुर गांव में खाली प्लाट बना बड़ी परेशानी

मैथिली शरण गुप्त वार्ड के गाजीपुर गांव में खाली प्लाट गंदगी का केंद्र बना हुआ है।मजे की बात यह है नगर निगम के सफाई कर्मी खाली प्लाटो पर सफाई नहीं करते जबकि वहां गंदगी फैलाकर चलते बनते है।यहां अभी हाल ही में नगर निगम व पार्षद द्वारा टाइल्स की सड़क हटाकर सी सी रोड का निर्माण कार्य कराया गया है।सड़क निर्माण के दौरान सड़क की टूटी टाइल्स व नाली की सिल्ट को खाली प्लाट में ही ढेर कर दिया गया।अब हालात यह है कि इस प्लाट पर लोग कूड़ा फेंक रहे है जिससे खाली प्लाट गंदगी का पहाड़ बन चुका है।खास बात यह है कि अब भीषण गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है ऐसे में गाजीपुर गांव में बढ़ती गंदगी तमाम बीमारियों का कारण बन सकती है।यदि समय पर साफ सफाई पर ध्यान न दिया गया तो बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।

अवैध कब्जों को लेकर बेफिक्र है अधिकारी

नगर आयुक्त द्वारा अकसर बैठकों में अवैध निर्माण हटाने को लेकर निर्देश दिए जाते है लेकिन जोनों में अधिकारी निर्देशों का पालन हवा में कर रहे है।मैथिली शरण गुप्त वार्ड के गाजीपुर गांव में जहां सड़क का निर्माण कराया गया है वहां बिना अवैध कब्जा हटाए सड़क बना दी गई।सूत्र बताते है कि इस अवैध निर्माण को हटाने के लिए नोटिस भी दी गई लेकिन बाद में अवैध निर्माण करने वाले ने अधिकारियों को मैनेज कर लिया जिससे सड़क बनने के महीनों बाद भी कोई कार्रवाई कोई नहीं की गई।सड़क पर लोहे की सीढ़ी बनाकर किया गया कब्जा आज भी बरकरार है।नगर निगम के अधिकारी सिर्फ एसी कमरों में बैठकर हवा में आदेश देते फिर रहे है।सूत्र बताते है कि शहर में दर्जनों पार्कों ,सड़कों ,सार्वजनिक स्थलों पर कब्जे है लेकिन अधिकारी कमरों में बैठकर अवैध निर्माणों पर अपनी फर्जी रिपोर्ट आगे बढ़ाने का काम कर रहे है।

नाली पर रखी पानी की टंकी ,आवागमन कर रही बाधित

मैथिली शरण गुप्त वार्ड में सार्वजनिक नाली के ऊपर पार्षद द्वारा रखवाई गई पानी की टंकी परेशानी का सबब बन रही है।एक तो सकरी सड़क ऊपर से पानी की टंकी से पानी भरने के दौरान हर समय सड़क अवरुद्ध रहती जिससे एक तरफ जहां आवागमन बाधित हो रहा है,हाल ही में बनाई गई सी सी रोड उखड़ रही वही दूसरी तरफ नाली का पानी पास न होने से बारिश में लोगों के घरों में पानी भर रहा है।जबकि पास में ही चौड़ी सड़क है जहां पर पानी की टंकी रखी जा सकती है और आवागमन भी सुलभ हो जायेगा।लेकिन इस पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है।

केंद्र सरकार हमारी मांगे पूरी न करके हमें हड़ताल की ओर धकेल रही है– डीके सिंह महामंत्री

⇨ पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति न होने पर स्टेट बैंक में 25 व 26 मई को देशव्यापी हड़ताल, स्टेट बैंक कर्मचारियों का धरना व प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन के आवाह्न पर अपनी लंबित मांगों के समर्थन में आज स्टेट बैंक कर्मचारियों ने मुख्य शाखा के बाहर मंडल अध्यक्ष अजय पांडे तथा महामंत्री डॉ. डीके सिंह के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। महामंत्री, डी.के. सिंह ने बताया कि हमारी 12 मई को डिप्टी सीएलसी, दिल्ली में उच्च मैनेजमेंट एवं फेडरेशन पदाधिकारियों के मध्य वार्ता असफल रही। हमारी मांगों में संदेशवाहकों एवं सशस्त्र गार्ड्स की भर्ती, एनपीएस कर्मचारियों को पेंशन फंड मैनेजर बदलने का विकल्प, 2019 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के अंतर मंडलीय स्थानांतरण, स्थाई कार्यों में आउटसोर्सिंग बंद हो, इसके अलावा पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की भर्ती, कैरियर प्रगति योजना की समीक्षा, चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजना में सुधार आदि मांगे अभी तक लंबित है। यह मांगे पूरी न होने पर हम 25 व 26 मई को देशव्यापी हड़ताल पर जाएंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर होगी। प्रदर्शन को संगठन के अवधेश सिंह, आर पी सिंह (उपाध्यक्ष द्वय), आशुतोष वर्मा, बृजेश कुमार तिवारी, शिव कुमार (सभी उपमहामंत्री), तारकेश्वर, आकाश शर्मा- एनसीबीई (उपमहामंत्री द्वय) अंकुर अग्रवाल, राकेश कुमार (सहायक महामंत्री द्वय), दीपेंद्र कुमार, सतीश शुक्ल (क्षेत्रीय सचिव द्वय) एवं अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ता एवं सदस्यों ने धरना व प्रदर्शन में भाग लिया। अनिल तिवारी, मीडिया प्रभारी ने बताया कि 14 मई को सभी कर्मचारियों ने एक्स (ट्विटर) पर देशव्यापी अभियान चलाया। कल 16 मई को सभी पदाधिकारी विरोध स्वरूप काला वस्त्र पहन कर कार्य करेंगे।

शालू शर्मा को वर्ल्ड वाइड टैलेंट रिकाग्नाईज़र व निष्कर्ष प्रकाशन के सौजन्य से काव्य रत्न सम्मान 2026 से किया गया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शालू शर्मा को साहित्य और आध्यात्मिक लेखन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ल्ड वाइड टैलेंट रिकॉग्नाईज़र व निष्कर्ष प्रकाशन के सौजन्य से प्रतिष्ठित काव्य रत्न सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने साहित्य जगत में शालू शर्मा की बढ़ती पहचान को और मजबूत किया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला से संबंध रखने वाली शालू शर्मा, एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। वह वर्तमान में निष्कर्ष प्रकाशन की त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका %निष्कर्ष पत्रिका% में उप-संपादक मण्डल में सदस्य के रूप में कार्यरत हैं और अपनी लेखनी के माध्यम से साहित्य को नई दिशा देने का कार्य कर रही हैं। लेखन के साथ-साथ वह लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती हैं। शालू शर्मा की रचनाएं प्रेम, अध्यात्म, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच पर आधारित होती हैं। उन्होंने अब तक 30 से अधिक साझा-संकलनों में सह-लेखिका के रूप में योगदान दिया है। उनकी लेखनी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली। इसके अलावा उनकी 2 एकल पुस्तकेंपाठकों के बीच काफी लोकप्रिय रही हैं 7 इनकी एक पुस्तक को निष्कर्ष प्रकाशन की ओर से बेस्ट 2024 का अवार्ड दिया गया है तथा वह मिस निष्कर्ष 2024 की विजेता भी रह चुकी हैं। वह अपने चैनल के माध्यम से लोगों को सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जीवन के प्रति प्रेरित करती हैं। काव्य रत्न सम्मान-2026 प्राप्त करने पर शालू शर्मा ने कहा, कि यह सम्मान उनके लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आगे और बेहतर लिखने की प्रेरणा है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, पाठकों, गुरुजनों और ईश्वर की कृपा को दिया। आज शालू शर्मा साहित्य, आध्यात्मिकता और सकारात्मक ऊर्जा का एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी हैं। उनकी उपलब्धियां न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के युवा लेखकों और कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

ज्ञापनों पर सुनवाई न होने से व्यापारियों, क्षेत्रवासियों में रोष, 21 मई को विशाल आंदोलन की चेतावनी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मण्डल के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिए गए ज्ञापनों पर अब तक कोई सुनवाई न होने पर व्यापारियों और पदाधिकारियों ने गहरी नाराजगी जताई। बैठक में आगामी 21 मई को प्रस्तावित आंदोलन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर शासन और प्रशासन को ज्ञापन दिए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि रविवार 17 मई को शांति नगर में एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी। इस बैठक में क्षेत्र की आम जनता, युवा, बुजुर्ग, महिलाएं, विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक, व्यापारी, अस्पताल संचालक एवं कर्मचारी सहित सभी प्रभावित लोगों को शामिल किया जाएगा। जनसभा में आंदोलन की रूपरेखा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि 20 मई से पहले शासन प्रशासन द्वारा संयुक्त बैठक कर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 21 मई को विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन की स्थिति उत्पन्न होने पर उसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से भी आंदोलन में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यह किसी एक संगठन की नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के जनहित की लड़ाई है। सभी संगठनों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और सदस्य एकजुट होकर इस संघर्ष में शामिल हों और क्षेत्र की आवाज को मजबूत बनाएं। बैठक में यह भी आह्वान किया गया कि 21 मई को सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर आंदोलन में भाग लें, ताकि शासन प्रशासन तक जनता की आवाज मजबूती से पहुंच सके। बैठक में प्रदेश महामंत्री दिलीप द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अवधेश कुमार सिंह, एयरपोर्ट व्यापार मण्डल के उपाध्यक्ष राजेश प्रताप दुबे, शांति नगर जनहित व्यापार मण्डल अध्यक्ष रितेश सिंह चौहान, विधानसभा प्रभारी जितेंद्र कुमार हजेला, विधानसभा अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, कार्यालय प्रभारी राज कुमार मौर्य सहित दर्जनों व्यापारी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाचार

विवाहिता को झांसा दे चेन ले उड़े टप्पेबाज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके के बाराबीरवा में शुक्रवार सुबह कोचिंग जा रही विवाहिता को दो टप्पेबाजों ने अपना निशाना बना झांसे में लेकर गले में पहनी हुई सोने की चेन उतरवा लिए और रुमाल में कंकड़ थमा फरार हो गए। जिसकी शिकायत पीड़िता ने स्थानीय पुलिस से की है।कृष्णा नगर के बल्दी खेड़ा में किराए पर रहने वाली वर्षा रानी त्रिवेदी पत्नी ऋषभ त्रिवेदी के अनुसार वह बाराबीरवा में स्थित एक कोचिंग सेंटर से यूपीटेक परीक्षा की तैयारी कर रही है।रोज की तरह शुक्रवार को वह सुबह 9:30 बजे अपने कोचिंग सेंटर के पास पहुंची थी तभी दो युवक जिनके उम्र करीब 25 –30 वर्ष रहा उनका रास्ता रोक लिया और उनमें से एक युवक अपना पिट्ठू बैग उन्हें थमाते हुए गले में पहनी हुई चेन अच्छी लगने की बात कह दो बार उनके गले से चेन उतरवाए और रुमाल में चेन डाल उन्हें हाथों में थमा चलते बने थोड़ी दूर बढ़ने पर उन्होंने रुमाल खोल देखा तो उसमें कंकड़ के बजाए पत्थर के टुकड़े रखे हुए थे जिसकी सूचना पीड़िता ने कंट्रोल नंबर पर पुलिस को दी।

तेज रफ्तार ऑटो ने मजदूर को मारी टक्कर,मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आलमबाग के बारावीरवा चौराहा निकट बृहस्पतिवार रात्रि एक तेज रफ्तार ऑटो चालक ने मजदूर को टक्कर मार फरार हो गया। मजदूर के साथी ने परिवारजनों को सूचना दे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मजदूर को मृत घोषित कर दिया । मूलरूप से जनपद बहराइच गांव भरवट का रहने वाला मनोज मिश्रा (38)पुत्र अन्नतराम लखनऊ के कृष्णा नगर में अपने साथियों के साथ रहकर मजदूरी करता था। बृहस्पतिवार रात्रि करीब 10:30 बजे नहर चौराहा से अपने साथी के साथ खाना खाकर अपने कमरे पर लौट रहा था तभी बारावीरवा चौराहा निकट ऑटो संख्या यूपी 32आरटी 6557 तेज रफ्तार में टक्कर मार फरार हो गया जिससे युवक गंभीर रूप से चोटिल हो गया ।घायल के साथी ने परिवारजनों को सूचना दे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक के छोटे भाई ननकऊ ने बताया कि उसका भाई विवाहित था पत्नी का नाम लक्ष्मी और एक बड़ी बेटी पूजा और दो बेटे गोविंद व आनंद है। पीड़ित के भाई ने गाड़ी नंबर आधार पर कृष्णा नगर थाने में शिकायत की है।

सरोजनी नगर वार्ड-10 में स्वच्छता अभियान, नालियों की सफाई व मच्छरों की दवा का छिड़काव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। वार्ड नंबर 10, प्रथम सरोजिनी नगर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई कार्य तेज कर दिया गया है। पत्रकार मलिक मोहम्मद के घर से लेकर गोल्ड सिटी तक नालियों की सफाई एवं मच्छरों की दवा का छिड़काव किया गया। यह अभियान लखनऊ नगर निगम और सरोजनी नगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के सहयोग से चलाया गया। आज पंडित खेड़ा क्षेत्र की कई नालियों की सफाई कराई गई और एंटी-लार्वा दवा डलवाई गई, ताकि लोगों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाया जा सके और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके। पत्रकार मलिक मोहम्मद के प्रयास से वार्ड-10 में महीने में दो बार नालियों की सफाई व फॉगिंग का कार्य लगातार जारी है। क्षेत्रवासियों ने इस कार्य के लिए क्षेत्रीय पार्षद एवं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का आभार जताया और बधाई दी।

निजी आईटीआई संस्थानों की समस्याओं को लेकर सरकार से की त्वरित समाधान की मांग

● प्राइवेट आई.टी.आई. वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने रखीं प्रमुख मांगें, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्राइवेट आई.टी.आई. वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा निजी आईटीआई संस्थानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि निजी आईटीआई संस्थान प्रदेश में तकनीकी शिक्षा और युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन वर्तमान में कई प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियों के कारण संस्थानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश मिश्रा एवं संरक्षक आशीष सिंह ने कहा कि निजी आईटीआई संस्थान लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार की कुछ नीतियों एवं प्रक्रियाओं के कारण संस्थानों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्रकार वार्ता में एसोसिएशन ने सरकार के समक्ष प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें फीस वृद्धि आदेश को तत्काल लागू करना, NIMS पोर्टल पर अतिरिक्त नोडल वेरिफिकेशन प्रक्रिया समाप्त करना, थर्ड शिफ्ट पुनः बहाल करना, PMKVY 5.0 सहित अन्य कौशल विकास योजनाओं में निजी आईटीआई संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करना, यूनिट साइज 40 से बढ़ाकर 45 प्रशिक्षणार्थियों तक निर्धारित करना तथा तकनीकी कारणों से पोर्टल पर हुई देरी पर लगाए गए भारी पेनल्टी आदेश को वापस लेना शामिल है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती संचालन लागत, प्रशिक्षकों के वेतन, बिजली, रखरखाव और अन्य प्रशासनिक खर्चों के कारण संस्थानों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में सरकार को निजी संस्थानों के हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए शीघ्र समाधान करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर के निजी आईटीआई संस्थान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि सरकार निजी आईटीआई संस्थानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र उचित निर्णय करेगी, जिससे तकनीकी शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगारपरक अवसर प्राप्त होंगे।

मामूली विवाद पर महिला पत्रकार पर पडोसियों द्वारा चाकू से जानलेवा हमला

तीसरा विकल्प न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मामूली कहासुनी मे विवाद इतना बढा कि घर मे अकेली महिला पत्रकार पर युवक एव उसकी पत्नी ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर बुरी तरहां घायल कर दिया । मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र का है जहां मोहल्ला मशकगंज निवासी महिला पत्रकार का अपने पडोस में रहने वाली फरीदा पत्नी सिकंदर उर्फ मुन्ने किसी बात पर मामूली कहा सुनी हुई, और फिर मामला इतना बढा कि पडोसी सिकंदर पुत्र कासिम अली तथ उसकी पत्नी फरीदा पत्नी सिकंदर उर्फ मुन्ने ने घर मे अकेली महिला पत्रकार पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया । जिला बिजनौर की रहने वाली चर्चित पत्रकार जेमिन चौधरी का विवाह लखनऊ मे हुआ है, वजीरगंज थाना क्षेत्र के मशकगंज मे वे अपने पति एव दो बच्चो के साथ रहती है जेमिन की 7 वर्ष की एक लडकी तथा 5 माह का एक बेटा है, जबकि पति हिन्दी दैनिक बिजनौर टुडे के स्थानिय संपादक तथा वरिष्ठ पत्रकार हैं, आज जब जेमिन के पति अखबार के एक आवश्यक कार्य से हजरतगंज स्थित सूचना विभाग गये हुए थे, तभी उक्त महिला पत्रकार को घर मे अकेला देख पडोसी सिकंदर उर्फ मुन्ने पुत्र कासिम अली, तथा उसकी पत्नी फरीदा ने हमला कर दिया, महिला पत्रकार ने थाना वजीरगंज प्रभारी के सीयूजी नम्बर पर कयी बार फोन किया किंतु किसी कारणवश वजीरगंज थाना प्रभारी का फोन नही रिसीव हुआ, अत उक्त महिला पत्रकार घायल अवस्था मे फटे कपडे एव नंगे पैर वजीरगंज कोतवाली पहुंची, जहां से महिला आरक्षी के साथ उसे बलरामपुर हास्पीटल मेडिकल के लिए भेजा गया । महिला पत्रकार की तहरीर पर वजीरगंज पुलिस ने प्रार्थमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है किन्तु महिला पत्रकार के पेट मे तथा कांधे पर गहरे घाव होने के बाद भी वजीरगंज पुलिस ने बीएनएस 333, 131, 118(1) मे मामला दर्ज किया । उधर घायल महिला पत्रकार का आरोप है कि इतने गहरे घाव तथा 15 टांको को देखते हुए बीएनएस की धारा 119 लगनी चाहिए थी ।

डॉ. राजेश्वर सिंह और आर. पी. सिंह ने किया सरोजनीनगर खेल प्रीमियर लीग-9 का भव्य शुभारंभ

160 टीमों और 10 हजार से अधिक युवाओं की भागीदारी के साथ खेल प्रतिभाओं का बना महाकुंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जय जगत पार्क, एलडीए कॉलोनी में गुरुवार को खेल, उत्साह और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब सरोजनीनगर खेल प्रीमियर लीग (SSPL)-9 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एवं वर्तमान चयन समिति सदस्य आर. पी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह और आर. पी. सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मैदान में मौजूद हजारों युवाओं का जोश और खेल के प्रति जुनून देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि जिस राष्ट्र के युवा मैदान में संघर्ष करना सीखते हैं, वह राष्ट्र हर चुनौती में विजयी बनता है। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मैदान में उतरने वाला युवा कभी हार नहीं मानता और वही देश का भविष्य तय करता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि 4 दिसंबर 2022 से शुरू हुई यह खेल पहल आज एक बड़े युवा आंदोलन का रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आयोजित प्रतियोगिता में 160 टीमें हिस्सा ले रही हैं तथा लगभग 160 मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को 50 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके साथ ही बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, मैक्सिमम सिक्स और मैक्सिमम फोर जैसी विशेष श्रेणियों में भी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को टी-शर्ट उपलब्ध कराई जा रही है तथा प्रत्येक टीम को क्रिकेट किट भी प्रदान की गई है। अब तक सरोजनीनगर खेल प्रीमियर लीग के माध्यम से 10 हजार से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ा जा चुका है। साथ ही 1500 से अधिक स्पोर्ट्स किट वितरित की गई हैं और 11 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को प्रदान की जा चुकी है। कार्यक्रम में मौजूद आर. पी. सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में खेल प्रतिभाओं को जिस स्तर पर मंच दिया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा, राजेश्वर भैया युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिस समर्पण और भावना से काम कर रहे हैं, वह प्रेरणादायी है। ऐसे आयोजन ग्रामीण और स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। जरूरत केवल अवसर और मजबूत इरादों की होती है। उद्घाटन अवसर पर इंटर स्कूल मुकाबले में लखनऊ कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल और एलनहाउस पब्लिक स्कूल की टीमें आमने-सामने रहीं, जबकि इंटर स्पोर्ट्स क्लब मुकाबले में यंग बॉयज़ क्रिकेट क्लब और प्यारेपुर क्रिकेट क्लब के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। दर्शकों ने खिलाड़ियों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साह बढ़ाया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को नई पहचान मिली है। 'खेलो इंडिया' और 'TOPS' जैसी योजनाओं ने युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर क्षेत्र में 180 से अधिक बॉयज और 116 से अधिक गर्ल्स यूथ क्लब स्थापित किए गए हैं तथा खेल मैदानों के विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. मयंक सोमानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में डॉ. राजेश्वर सिंह ने आयोजन समिति, खिलाड़ियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरोजनीनगर को खेल प्रतिभाओं का सबसे मजबूत केंद्र बनाने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रूमी गेट पर 18 मई को अंजुमनों की अहम बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शहर में मजलिसों, अंजुमनों और हुसैनाबाद ट्रस्ट की संपत्तियों को लेकर विवाद के बीच मौलाना कल्बे जवाद ने 18 मई की रात 7:30 बजे रूमी गेट पर अंजुमनों की अहम बैठक बुलाने का ऐलान किया है। इस बैठक को लेकर शिया समुदाय और अंजुमनों में खासा चर्चा का माहौल है। मौलाना कल्बे जवाद ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जिस अंजुमन या जाकिर आना जरूरी है जो नहीं आएगा उसका बायकॉट किया जाएगा,उन्होंने कहा कि सभी अंजुमनों, मौलानाओं और संबंधित लोगों का बैठक में शामिल होना जरूरी है। जो लोग बैठक में शामिल नहीं होंगे या बायकॉट के फैसले से पीछे हटेंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। मौलाना ने आरोप लगाया कि लगातार हुसैनाबाद ट्रस्ट की जमीनों पर कब्जे किए जा रहे हैं और धीरे-धीरे अतिक्रमण इमामबाड़ा परिसर तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि अब हालात ऐसे हो गए हैं कि इमामबाड़ा क्षेत्र तक दबाव बढ़ता जा रहा है और अगर समुदाय अब भी एकजुट नहीं हुआ तो धार्मिक और ऐतिहासिक संपत्तियों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी अंजुमनों और जिम्मेदार लोगों के आगे आने का है, ताकि वक्फ और धार्मिक स्थलों की संपत्तियों को बचाया जा सके। 18 मई को होने वाली बैठक पर अब पूरे समुदाय की नजरें टिकी हुई हैं।

संपादकीय

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है। लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है। यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं। दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें। उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए। निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच-पड़ताल करनी चाहिए। जिसमें रियल-टाइम जीपीएस ट्रैकिंग को निजी बसों में अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। साथ ही निजी बस चालक व परिचालकों की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच करनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि सरकारों को समझ लेना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा महज बयानबाजी व नारे लगाने से सुनिचित नहीं होगी। साथ ही शासन-प्रशासन को घटना के बाद पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि अपराध नियंत्रण की दिशा में भी गंभीर पहल होनी चाहिए।

स्मार्ट सिटी हारेगी चुनाव

हिमाचल के कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने नगर निगम चुनाव में स्मार्ट सिटी धर्मशाला की बखिया उधेड़ दी। यह राजनीति का स्वाभाविक लक्षण है कि कठघरों में फानूस जला दो ताकि अपने अंधेरों की खबर न हो। यह सही है कि स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को राजनीति ने इस कद्र रौंद दिया कि सियासत के बूचडख़ाने चारों तरफ नजर आए। वैसे पिछले कार्यकाल में कांग्रेस का ही कब्जा नगर निगम पर था और मेयर नीनू शर्मा पार्टी की झंडा बरदार थीं। ऐसे में दोनों ही पार्टियों के कार्यकाल में स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं ने जन्म लिया और बिखर गईं। खैर अब राजनीतिक दवा-दारू से भीगी स्मार्ट सिटी चुनावी पंजे लड़ा रही है, तो चुनाव की कमान संभाले चौधरी चंद्र कुमार ने टारगेट पर सुधीर का निजाम रखा है। बेशक बतौर मंत्री व राजा वीरभद्र सिंह के सिपहसालार के रूप में सुधीर शर्मा ने धर्मशाला को सियासी सराय से हटा कर राजनीतिक मक्का बना दिया। इस दौरान कई उपनाम धर्मशाला को मिले। मसलन राज्य की शीतकालीन राजधानी के तौर पर कई परियोजनाएं गूंजी, मगर पिछले आठ सालों से यह शहर अपना वजूद, अपना स्वरूप और अपनी संभावना खोने लगा है। ऐसे में नगर निगम चुनाव ने अपनी रेहड़ी पर कई नेता रख दिए हैं, तो श्रेष्ठता के मूल्यांकन में जवाबदेही बढ़ गई है। स्मार्ट सिटी के स्मार्ट रोड की दशा कोस रही है। बस स्टॉप शैड रो रहे हैं। बस स्टैंड की आबरू को लूट कर स्मार्ट सिटी की इलेक्ट्रिक बसें अपनी बदकिस्मत पर रो रही हैं, तो अपव्यय के दर्जनों नमूने छाती पीट रहे हैं। स्ट्रीट लाइट्स भीगी बिल्ली बन कर खुद पर शर्मिंदा हैं। कहीं जलती नहीं, तो कहीं लुढक़ गईं। स्मार्ट सिटी ने दरअसल विकास के मकबरे चुन लिए हैं, फिर भी यह शहर भरोसा करता है कि कभी तो पार्षद सुधरेंगे। नगर निगमों की परिधि में अगर भविष्य चुनना है, तो सर्वप्रथम मेयर के प्रत्यक्ष चुनाव होने चाहिएं, वरना राजनीतिक रोटियां तो हर पार्टी सेंकती रहेगी। जरा से आंकड़े बिगड़े, तो क्या भाजपा और क्या कांग्रेस सभी इस हमाम में नंगे हैं। यहां प्रश्न यह भी कि क्या सरकार या विपक्ष के किसी मंच पर स्मार्ट सिटी के नखरे इससे पूर्व परखे गए और क्या कांग्रेस स्मार्ट सिटी की विफलता का ठीकरा सुधीर शर्मा पर फोड़ कर अपने जख्मों का इलाज कर पाएगी। हमने जनता से अपने इंटरनेट सर्वेक्षण में पूछा था, 'क्या स्थानीय निकाय चुनावों में सामने आए उम्मीदवारों पर भरोसा है।' कुल मतों में से 77 फीसदी लोग पार्षदों के नामों पर ही असंतुष्ट हैं। यानी नगर निगम के स्तर को समझते हुए पार्टियों के पास अभी माकूल चेहरे नहीं है। दूसरी ओर टिकट आबंटन से दुखी ओहदेदार अगर निर्दलीय आधार पर खड़े हैं, तो संगठात्मक ताकत के कई सिरे टूटे हैं। भाजपा के मेयर-डिप्टी मेयर अपनी नई पोशाक में कितना रंग भर पाते हैं, यह चुनावी विसंगतियों के सबूत की तरह पढ़ा जाएगा। बहरहाल, चंद्र कुमार के आरोपों में यह तो साफ हो गया कि स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं को भी नेतागण अपाहिज कर सकते हैं। कल जब शिमला नगर निगम के चुनावों में भी अगर स्मार्ट सिटी की बात आएगी, तो मालूम होगा कि शहरी उत्थान के सफर पर हम खुद दोषी हैं। बेशक चुनाव नतीजों से पता चल जाएगा कि किसकी घोड़ी लंगड़ी और किसके खरगोश ज्यादा दौड़े, मगर बतौर मंत्री चौधरी चंद्र कुमार यह सुनिश्चित करें कि स्मार्ट सिटी में फैले भ्रष्टाचार के कीड़े निकाल कर बाहर फेंके जाएंगे।

नीट पेपर लीक यानी ख्वाबों से खिलवाड़!

मिर्जा जाहिद बेग

> "देश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश का सबसे बड़ा माध्यम मानी जाने वाली परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट अर्थात नीट लाखों विद्यार्थियों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस साल 2026 में भी इस परीक्षा में देशभर से लगभग 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया"

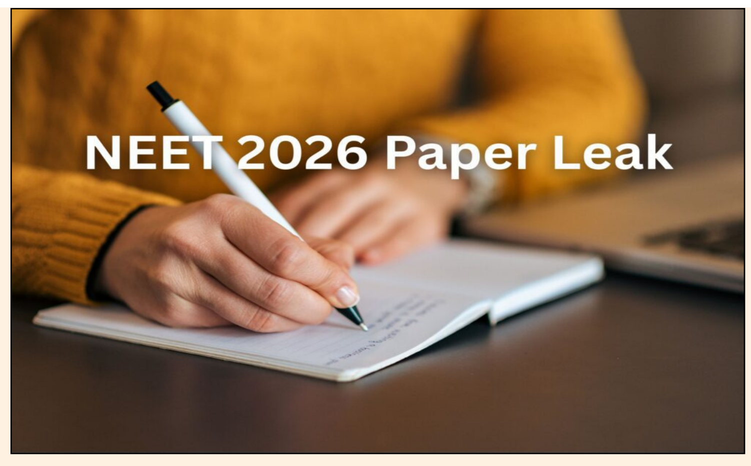

देश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश का सबसे बड़ा माध्यम मानी जाने वाली परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट अर्थात नीट लाखों विद्यार्थियों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस साल 2026 में भी इस परीक्षा में देशभर से लगभग 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉक्टर बनने का ख़्वाब बुनने वाले इन विद्यार्थियों ने वर्षों के कठिन परिश्रम, आर्थिक संघर्ष और मानसिक दबाव के बीच इस परीक्षा की तैयारी की थी, लेकिन तंत्र की अक्षम्य लापरवाही के चलते पेपर लीक होने से इसे रद्द कर दिया गया है। पेपर लीक होने और अन्य अनियमितताओं के आरोपों ने पूरे तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि किसी प्रतियोगी परीक्षा की निष्पक्षता ही संदिग्ध हो जाए तो यह केवल परीक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि देश के युवाओं के ख़्वाबों और उनके भविष्य के साथ क्रूर खिलवाड़ भी है। क्योंकि नीट जैसी परीक्षा केवल प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका का नाम नहीं है। इसके पीछे लाखों परिवारों की उम्मीदें, त्याग और संघर्ष जुड़े होते हैं। एक मध्यमवर्गीय या निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का बच्चा जब डॉक्टर बनने का सपना देखता है, तो पूरा परिवार उसके साथ उस सपने को जीने लगता है। माता-पिता,भाई-बहन अपनी जरूरतें कम कर देते हैं, कई बार कर्ज लेते हैं, गहने गिरवी रखते हैं और वर्षों तक बचत करके बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। ऐसे में जब परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं और परीक्षा रद्द करने या पुनरू परीक्षा की नौबत आती है, तब सबसे अधिक चोट उन मेहनती विद्यार्थियों को पहुंचती है जिन्होंने ईमानदारी से दिन-रात परिश्रम किया होता है। कल्पना कीजिए उस छात्र की मनरूस्थिति की जिसने महीनों तक मोबाइल, मनोरंजन और सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर केवल पढ़ाई की हो। सिस्टम और सरकार पर भरोसा कर परीक्षा के दिन वह पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचा हो और बाद में उसे पता चले कि कुछ लोगों ने धन और पहुंच के बल पर प्रश्नपत्र पहले ही प्राप्त कर लिया था। यह समाचार उसके आत्मविश्वास को भीतर तक तोड़ देता है। कई विद्यार्थी मानसिक तनाव, अवसाद और असहायता का शिकार हो जाते हैं। अभिभावकों की स्थिति भी कम पीड़ादायक नहीं होती। उन्हें लगता है कि ईमानदारी और परिश्रम की कीमत इस व्यवस्था में शायद बची ही नहीं। हम सब जानते हैं कि नीट की तैयारी आज अत्यंत महंगी प्रक्रिया बन चुकी है। देश के बड़े कोचिंग संस्थानों में दो वर्ष की तैयारी पर औसतन 2 लाख से 5 लाख रुपये तक का खर्च आता है। कई महानगरों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल और भोजन का खर्च अलग से प्रतिमाह 10 से 20 हजार रुपये तक पहुंच जाता है। पुस्तकों, टेस्ट सीरीज और अध्ययन सामग्री पर 20 से 50 हजार रुपये तक खर्च हो जाते हैं। वर्ष 2026 में नीट आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए लगभग 17 सौ रुपये तथा अन्य वर्गों के लिए अलग-अलग निर्धारित रहा। परीक्षा केंद्र दूसरे शहर में होने पर यात्रा, होटल और भोजन का अतिरिक्त खर्च भी परिवारों को उठाना पड़ता है। इस प्रकार एक विद्यार्थी की तैयारी पर कुल मिलाकर औसतन 4 लाख से 9 लाख रुपये तक का आर्थिक बोझ पड़ता है। ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए यह राशि जीवनभर की जमा पूंजी के समान होती है। ऐसी स्थिति में यदि परीक्षा प्रक्रिया ही अविश्वसनीय हो जाए तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि अमानवीय अन्याय बन जाता है। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि इतनी संवेदनशील परीक्षा का प्रश्नपत्र आखिर बार-बार लीक कैसे हो जाता है? पिछले 10 सालों में दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। जिसमें नीट परीक्षा भी शामिल हैं। सहज ही सवाल उठता है कि क्या सुरक्षा तंत्र पर्याप्त नहीं है? क्या परीक्षा संचालन एजेंसियों की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? आधुनिक तकनीक और डिजिटल निगरानी के इस युग में यदि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं रह पाता, तो यह व्यवस्था की अक्षम्य लापरवाही ही मानी जाएगी। नेशनल टेस्ट एजेंसी और सरकार को अब केवल सफाई देने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले परीक्षा प्रक्रिया को पूर्णतरू डिजिटल निगरानी के दायरे में लाया जाना चाहिए। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर वितरण तक हर स्तर पर बहुस्तरीय एन्क्रिप्शन और रियल टाइम ट्रैकिंग व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही सामने आए उन पर तत्काल सेवा समाप्ति और आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त जिन विद्यार्थियों को पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से मानसिक तथा आर्थिक क्षति हुई है, उन्हें राहत देना भी आवश्यक है। यदि पुनरू परीक्षा आयोजित की जाती है तो विद्यार्थियों से दोबारा कोई शुल्क न लिया जाए। दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यात्रा सहायता और परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष सहायता कोष बनाया जाए ताकि उनका एक और वर्ष बर्बाद न हो। रद्द परीक्षा को पुनः कराने के लिए जिन शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जाएं वहां परीक्षा सेंटर के आस-पास के छात्रावासों, होटलों और भोजनालयों के मालिकों से अपील की जानी चाहिए कि वे श्आपदा में अवसर्य के पूंजीवादी सिद्धांत को परे रख कर श्आपदा में इंसानियत्य के मानवीय सिद्धांत का अनुसरण करें और फिर से परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को इस बार अपने प्रतिष्ठानों में अधिकतम छूट प्रदान करें। आखिर को वतन के नागरिकों से मोहब्बत करना, मुसीबत में उनकी मदद करना ही सच्ची वतनपरस्ती है।

जो दवा के नाम पे जहर दे, उस चारागर की तलाश पूरी- अब देश बंदी की तैयारी

आलेख : बादल सरोज

वे जब भी, जो भी करते हैं, एकदम नया और चौंकाने वाला करते हैं। वे कोई भी रूप धारण कर सकते हैं, किसी भी धजा में हाजिर हो सकते हैं, कहीं भी साष्टांग लम्बलोट हो सकते हैं, मौके-बेमौके हास-परिहास और अट्टहास कर सकते हैं। वे न पहली सदी के रोम के राजा नीरो हैं, न तेरहवीं सदी के तुगलकाबाद वाया दिल्ली के बादशाह मोहम्मद बिन तुगलक हैं और न ही सत्रहवीं सदी की फ्रांस की साम्राज्ञी मैरी एंटोईनेट हैं। वे इक्कीसवीं सदी के मोदी हैं और अपनी मिसाल आप हैं। नोट बंदी से शुरू की अपनी यात्रा को वे वोट बंदी तक ला चुके हैं : इस बीच में तालियाँ और थालियाँ बजवा चुके हैं, मोमबत्ती जलवा चुके हैं। देश की अर्थव्यवस्था को पटियों पर ला चुके हैं, एक जमाने में जो भारत आधी दुनिया के देशों का स्वाभाविक नेता हुआ करता था, उसे लाइबेरिया की हैसियत में पहुंचा चुके हैं। वे फकीरे शहर के तन पर लिबास बाकी है/ अमीरे शहर के अरमाँ अभी कहाँ निकले के भाव से इतने विभोर हैं कि कोई कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते। यही उत्कट भाव 10 मई को पहले हैदराबाद की आमसभा में प्रकट हुआ और उसके बाद यह साबित करने के लिए कि वह यूं ही अचानक निकल गयी अललटप्पू बात नहीं थी, अगले दिन वड़ोदरा सहित बाकी की सभाओं में भी दोहराया गया। जैसी कि आशंका थी, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव निबटने के साथ ही सरकार आपदाओं की नयी बौछार लेकर आएगी, वही हुआ भी। मतगणना पूरी होने से पहले ही कमर्शियल गैस सिलेंडर पर लगभग हजार रूपये की बढ़ोत्तरी कर दी गयी और लाखों छोटे दुकानदारों का काम-धंधा मुश्किल में डाल दिया। नई सरकारों के शपथ लेने के पहले ही जनता पर चौतरफा हमलों के नए पैकेज का एलान स्वयं मोदी ने अपने श्रीमुख से कर दिया। 'संकटों में कर्तव्य सर्वोपरि' के मन्त्र के साथ आये इस नुस्खे में देश के प्रधानमंत्री ने जनता के लिए कर्तव्यों की जो सप्तपदी गिनाई है, उसमें पेट्रोल-डीजल का संयम से इस्तेमाल करना, बाहर जाना कम करना, सार्वजनिक परिवहन अधिक काम में लाना और कोरोना काल की तरह घर से ही काम -- वर्क फ्रॉम होम - करना, एक साल तक शादी-विवाह सहित किसी भी तरह से सोना खरीदना बंद करना, कम से कम एक वर्ष तक विदेश यात्रा पर नहीं जाना, खाने के तेल के उपयोग में भी कमी लाना, खेती किसानी में खाद और उर्वरक का इस्तेमाल कम करना और प्राकृतिक खेती की ओर लौटना, विदेशी सामान नहीं खरीदना, स्वदेशी पर जोर देना आदि-आदि शामिल हैं। कई मायनों में यह बिना किसी महामारी के ही कोविड महामारी के समय उठाये गए कदमों से भी ज्यादा आगे के उपाय हैं। एलान करते ही स्वयं मोदी ही खुलेआम इन सबकी धज्जियां उड़ाने निकल पड़े। जिस हैदराबाद की सभा में वे पेट्रोल, डीजल की खपत कम करने का निर्देश दे रहे थे, उस सभा के मंच पर वे पूरे 18 किलोमीटर का रोड शो करने के बाद पहुंचे थे और यहाँ घनगरज करने के बाद शाम को सीधे जामनगर पहुंचकर फिर रोड शो किया। अगले दिन 11 मई को सोमनाथ में रोड शो करने के बाद भी मन नहीं भरा, तो शाम को वड़ोदरा में फिर सडकों पर जनता के दर्शनार्थ जनार्दन बन स्वयं खुली झांकी निकाली। प्रधानमंत्री के रोड शो के काफिले में अत्याधुनिक हथियारों से लैस एसपीजी के जवान, जैमर वाहन और एम्बुलेंस सहित 10 से अधिक सुरक्षा वाहन शामिल रहते हैं। इनके अलावा 50 से लेकर 100, कई बार उनसे भी अधिक, कारें होती हैं। यह प्रधानमंत्री के साथ चलने वाले काफिले के वाहनों की संख्या है। इनके अलावा हर 200 मीटर पर खड़ी की गयी सुरक्षा चौकियों के वाहन और वहां खड़े होने वाले सुरक्षा बलों को लाने-ले जाने वाले वाहन अलग से होते हैं। कुल मिलाकर, एक मझोले शहर की कुल तेल खपत से भी ज्यादा तेल एक एक रोड शो में फूंक दिया : वह भी देश भर को कटौती करने के सार्वजनिक रूप से किये गए उपदेश के महज चौबीस घंटों के भीतर ही। संतोष इतने पर भी नहीं हुआ, तो न जाने कितने पुराने सोमनाथ मंदिर की 75वीं वर्षगांठ मना डाली और इस मौके पर सोमनाथ में एयर शो भी करवाया, जिसमें देश की वायुसेना के अतिविशिष्ट माने जाने वाले 6 हॉक एमके विमानों से मंदिर के ऊपर तिरंगे के रंगों का धुआं छोड़ते हुए आसमान में %दिल% की आकृति बनवाई और मंदिर पर फूल बरसवाये। इस आतिशबाजी जैसे नज़ारे का लुत्फ़ लेने के लिए हजारों लोग इकट्ठा किये गए थे और जाहिर है कि वे पाँव-पाँव चलकर नहीं आये थे। पेट्रोलियम उत्पादों की किफायत के अपने ही आह्वान का ऐसा मखौल सिर्फ मोदी नहीं उड़ा रहे थे : उनका पूरा कुनबा इसी में लगा था । कोलकता में बिठाये गए भाजपाई मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने सभी 20 भाजपाई मुख्यमंत्री अपने-अपने हवाई जहाज़ों में लदकर गए थे । कमोबेश ऐसी ही जम्बूरी गुवाहाटी में हिमंता विषसरमा के शपथ ग्रहण के समय हुई। छोटे वाले भी बड़ों से कम नहीं दिखने पर आमादा है : मध्यप्रदेश में एक अदने से पद मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष अपना पदभार ग्रहण करने के लिए उज्जैन से 700 कारों का विशाल काफिला लेकर भोपाल पहुंचे। इन तमाशों से निबटने के बाद, विदेश यात्राएं न करने की हिदायत देने वाले प्रधानमंत्री जी स्वयं विदेशी तमाशे देखने के लिए 15 मई से 5 देशों -- संयुक्त अरब अमीरात, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे और इटली -- के भ्रमण के लिए निकल रहे हैं। यह 'पर उपदेश कुशल' होने भर का मामला नहीं है। यह उस नए इंडिया का मुजाहिरा है जिसमे संकट का बोझा उठाने का 'कर्तव्य सर्वोपरि' नारा सिर्फ जनता के लिए होता है, हुक्मरानों के लिए नहीं। यह पिछले 12 वर्षों में नागरिक को प्रजा में बदलने के तेजी से किये गए प्रयत्नों का अगला चरण है। आम जन के प्रति तिरस्कार और अवज्ञा भाव का भौंडे से और अधिक विद्रूप होते जाना है। मीडिया पर सम्पूर्ण प्रभुत्व कायम करने के बाद किसी भी तरह की आलोचना या समीक्षा या जवाबदेही से अभयदान मिलने के चलते उपजी निर्लज्जता का चरम है। ढीठता इतनी है कि कल तक खुद किसी तरह की कमी नहीं है, कोई संकट नहीं है, के गाल बजाने के बाद आज अचानक कोरोना जैसे संकट में पहुँच जाने की सफाई भी नहीं दी जा रही। हास्यास्पदता इतनी है कि इधर प्रधानमंत्री कमी की दुहाई दे रहे हैं, उधर उन्हीं के पेट्रोलियम मंत्री पर्याप्त भंडार होने का दावा कर रहे हैं। पहली बात तो यह कि जिस आपदा की बात की जा रही है, वह आई नहीं है, ट्रम्प की घुड़कियों में आकर बाकायदा बुलाई गयी है। सबसे पुराने और भरोसेमंद देश ईरान से आने वाले तेल को खरीदना बंद किया, जो ईरान से सीधे भारत तक आने वाली पाइप लाइन डाली जाने वाली थी, उसे अधबीच में रोक दिया गया। अगली घुड़की में रूस से मिलने वाले सस्ते तेल की खरीद भी रोक दी। भारत के रासायनिक खाद बनाने वाले कारखानों के लिए अप्रैल में 60,000 टन रूसी तरल गैस -- एलएनजी -- लेकर आ रहे जहाज को बीच में ही रोक दिया। इधर मोदी किसानों से खाद और उर्वरक का उपयोग कम करने का आह्वान करके उनकी खेती को आदिम युग में पहुंचा रहे हैं, उधर कुनपेंग' नाम का टैंकर अभी भी समंदर में भटक रहा है। दूसरी और उतनी ही अहम बात तेल के सुरक्षित भंडारण के मामले में अदूरदर्शिता और दिवालियापन की है। दुनिया जानती है कि तेल अर्थव्यवस्था के पहिये को चलाने का सबसे महत्वपूर्ण अवयव है। सारे देश पर्याप्त मात्रा में इसे सहेज कर रखते हैं। चीन के पास लगभग 140 करोड़ बैरल का भण्डार है। यह अमेरिका, जापान और कई यूरोपीय देशों की कुल संयुक्त क्षमता से भी अधिक है। इसमें से लगभग 36 करोड़ बैरल सरकारी और 100 करोड़ बैरल राष्ट्रीय तेल कंपनियों के पास है। इसके बाद अमरीका का नम्बर आता है, जिसके पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा भंडार है, जिसकी क्षमता लगभग 41.3 करोड़ बैरल है। जापान करीब 26.3 करोड़ बैरल के साथ तीसरे स्थान पर है। यूरोपीय देशों के पास कुल मिलाकर लगभग 17.9 करोड़ बैरल का भंडार है। इस सबमें भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, की स्थिति क्या है? उसकी रणनीतिक तेल भंडार क्षमता मात्र 3.91 करोड़ बैरल की है। यह क्षमता दक्षिण कोरिया जैसे देश की 7.9 करोड़ बैरल से आधी से भी कम है। मार्च 2026 की स्थिति में ये भंडार भी लगभग 64ब ही भरे हुए हैं। अपनी इस पूरी क्षमता पर, भारत का रणनीतिक रिजर्व केवल लगभग साढे नौ दिनों की राष्ट्रीय खपत को पूरा कर सकता है। पिछले 12 वर्षों में अडानी और अम्बानी इधर तेल खरीद कर उधर दुनिया भर में बेचते रहे, इसके इंतजाम तो किये जाते रहे, मगर देश की अपनी भण्डारण क्षमता बढाने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। यह अनायास हुई चूक या अनदेखी नहीं है - यह कॉर्पोरेट हिमायती नीतियों का नतीजा है। बजाय इसकी जिम्मेदारी लेने के अब सारा बोझ जनता पर लादा जा रहा है। सभी से घर से काम - वर्क फ्रॉम होम - करने की बात कहकर प्रधानमन्त्री मोदी ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें काम क्या होता है, इसका रत्ती भर ज्ञान नहीं है। इस देश का 95 फीसदी से अधिक काम मोबाइल या इन्टरनेट से नहीं सीधे हाथों से औजारों का इस्तेमाल करके किया जाता है। सशरीर उपस्थिति के बिना न उत्पादन संभव है, न किसी भी तरह का निर्माण मुमकिन है। रोजमर्रा की जिन्दगी की जरूरतों के छोटे-छोटे लगने वाले सब्जी, दूध, किराना जैसे काम भी घर बैठे नहीं होते। विडियो कांफ्रेंसिंग और ऑनलाइन मीटिंगों से देश की अर्थव्यवस्थाएं नहीं चलती। मोदी ने कोविड काल का उदाहरण तो दिया, मगर यह बताना भूल गए कि उस दौरान इस देश के करीब 15 करोड़ लोगों का काम-धंधा बंद हुआ था। इनमें से करीब एक-तिहाई का फिर दोबारा कभी शुरू ही नहीं हुआ। अपनी सरकार की अमरीका भीरुता और चौपट विदेश नीति से उपजे संकट से उबरने के लिए वे जिस तरह की दवा लेकर आये हैं, वह बीमारी से भी ज्यादा जानलेवा है। एक साल तक सोना न खरीदने की उनकी 'सलाह' अकेले ही देश के 50 लाख लोगों के रोजगार को चौपट करने और सोने के दुकानदारों को कभी न उबर पाने वाले कर्ज के फंदे में जकड़ने की ताब रखती है। इसी तरह की बेतुकी बात किसानों से खाद और उर्वरक का इस्तेमाल बंद कर प्राकृतिक खेती की ओर लौटने की है। इससे जाहिर होता है कि श्रीमान को न तो इस देश की खेती के बारे में कुछ पता है, न ही इन्हें पड़ोसी देश श्रीलंका की प्राकृतिक खेती के ऐसे ही मूर्खतापूर्ण प्रयोग के विनाशकारी परिणामों की याद है। लेकिन उन्हें यह भी पता है कि उनका सप्तम सुर में दिया नुस्खा एक बहुत बड़े असंतोष को जन्म दे सकता है। इसीलिए वे अंग, बंग, कलिंग, सूर्योदय और पूर्वोदय की तुकबन्दी और मुस्लिम लीग की सरकार में मंत्री रहे श्यामाप्रसाद मुखर्जी के कारनामों की कल्पित कहानियों और साम्प्रदायिक नफरती विषाक्तता से भरे अपने भाषणों में मजदूरों की हड़तालों को कोसना नहीं भूलते। इन हड़तालों से निबटने के लिए इनके नेताओं पर निगाह रखने और ऐसे मामलों में साथ देने के लिए न्यायपालिका तक का आह्वान करते हैं। वामपंथ के खत्म हो जाने का मुगालता पालते हैं। समस्या की जड़ यह है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने जब खुद के नॉन-बायोलॉजिकल, मतलब धरा पर सीधे अवतरित होने का एलान किया, तो अनेक दिलजलों ने उनकी बात नहीं मानी। जुर्रत यहाँ तक की कि मजाक उड़ाने का दुस्साहस कर दिया। बस तब से ही, अपनी सारी ऊर्जा लगाकर उसे मनवाने के लिए जुटे हुए हैं। इस मकसद को वे हासिल कर पायें या न कर पायें, एक बात तो उन्होंने साबित कर दी है कि वे अपनी मिसाल आप हैं। वे अपने से पहले के अपनी मिसाल आप कहे और माने जाने वालों - नीरो, तुगलक और मैरी एंटोईनेट -- से भी आगे के हैं। उनके परिवर्धित और संवर्धित संस्करण हैं। इन तीनों ने अपने शिगूफों से अपने अपने देशों की जनता का जो कल्याण किया था, वह इतिहास में दर्ज है।

भारत के संकट में फिर साथ आया रूस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रविवार की अपील के बाद पूरे देश में भाजपा नेताओं में होड़ मची है कि वे पेट्रोल-डीजल बचाने में खुद को पहले स्थान पर दिखाएं। कहीं कोई मोटर साइकिल से काम पर आने का वीडियो बनवा रहा है, कोई मेट्रो में सफ़र कर रहा है, किसी ने दिखाया कि हमने अपने काफ़िले में अब केवल चार गाड़ियां रखी हैं, तो कोई बता रहा है कि साल भर तक विदेश यात्रा नहीं करेंगे। हालांकि अब तक किसी भाजपा नेता ने ये नहीं बताया है कि वो या उनके परिजन सोना न खरीदने की बात पर भी अमल करेंगे या नहीं। क्योंकि सोना न खरीदने की अपील और सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने के बाद भी सर्राफ़ा बाजार में बीते दो दिन सोना जमकर बिका है। संपन्न उच्च वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग जानता है कि प्रधानमंत्री ने संत-मेंत में बचत करने का प्रवचन नहीं दिया है। इसके पीछे कोई बड़ा कारण है, जो अभी देश को नहीं बताया जा रहा। इसलिए किसी भी आपात स्थिति की घोषणा से पहले ही अपना घर और तिजोरी भर ली जाए। इसलिए जिनके पास भी इतनी दौलत है कि वे बढ़ती महंगाई से बेपरवाह सोना-चांदी खरीद सकें, उन्होंने खरीद ली। इधर सरकार ने यह बता दिया है कि पिछले एक महीने में ही महंगाई दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई है। ईंधन, बिजली और कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के चलते अप्रैल में थोक महंगाई दर बढ़कर 8.30प्रतिशत पहुंच गई। मार्च में यह 3.88प्रतिशत थी। अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध में दो रूपए की बढ़ोतरी कर दी है। इस महंगाई का असर सीधे-सीधे रोज के भोजन-पानी पर पड़ने वाला है, यह अलग से बताने की जरूरत नहीं। आम जनता हर दिन इस महंगाई से जूझ ही रही है। अब न कोई रामदेव सामने आ रहे हैं जो बता सकें कि नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने पर कितना काला धन वापस आया और पेट्रोल-डीजल कितना सस्ता हुआ या रूपए की कीमत कितनी चढ़ी। क्योंकि 2014 से पहले रामदेव सरीखे जितने लोग ऐसे भ्रमित करने वाले बयान देते थे, उन सबके अपने हित सध चुके हैं। अब आम जनता की दुख-तकलीफ से किसी को कोई लेना-देना नहीं है। देश एक ऐसे कमजोर प्रधानमंत्री के शासन का खामियाजा भुगत रहा है, जो अपनी मर्जी से यह तय नहीं कर सकते कि हमें अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए कहां से तेल खरीदना है और कहां से नहीं। पाठक जानते हैं कि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने की पाबंदी लगा दी है और बात न मानने पर टैरिफ थोपने की धमकी दी है। ईरान पर युद्ध के बाद जब होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद हुआ और इस रास्ते से आने वाले तेल की आपूर्ति बाधित हुई तो अमेरिका ने सबसे पहले 5 मार्च को भारत के लिए एक विशेष छूट जारी की थी। इसके तहत भारतीय रिफ़ाइनरों को जहाजों में लदे रूसी तेल को खरीदने की अनुमति दी गई थी। एक हफ्ते बाद अमेरिका की ओर से दी गई इस छूट का दायरा वैश्विक स्तर तक बढ़ा दिया गया। एक बार विस्तार मिलने के बाद अब यह छूट 16 मई को समाप्त होने वाली है। शनिवार यानी 16 मई के बाद अमेरिका की पाबंदियों में मिली छूट को अगर आगे नहीं बढ़ाया जाता है तो भारतीय तेल रिफ़ाइनरों के लिए मुश्किल पैदा होगी। उन्हें रूसी कच्चे तेल का आयात कम करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। अमेरिका से मिली छूट के कारण मई महीने में अब तक रूसी तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर यानी 23 लाख बैरल प्रतिदिन रहा है। लेकिन, मॉस्को से कच्चा तेल लेकर अगर कोई नया जहाज भारत की ओर आता हुआ नहीं दिखता है तो स्थिति बदलेगी।

उस स्थिति में पूरे महीने का कुल आयात घटकर 19 लाख बैरल प्रतिदिन तक गिर सकता है। जुलाई 2024 तक भारत के कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 44.6 फ़ीसदी तक पहुंच गई थी। हालांकि, अमेरिकी दबाव और टैरिफ नीतियों के कारण जनवरी 2026 तक यह घटकर 20.6प्रतिशत रह गई। यह बात पढ़ने-सुनने में ही कितनी अपमानजनक लगती है कि अमेरिका ने हमें कुछ दिनों की मोहलत दी कि हम रूस से तेल आयात करें और अब हम फ़िर उसी मोहलत के मोहताज बने हैं। मानो हम अमेरिका के कोई उपनिवेश हैं या ट्रंप हमारा शासक है। नरेन्द्र मोदी को इस समय कायदे से अमेरिका को भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता का पाठ पढ़ा देना चाहिए कि हमारे देश को इस समय रूस से तेल खरीदने की जरूरत है और हम ऐसा ही करेंगे। बस इसके आगे किसी और घुड़की में नहीं आना चाहिए। इस समय मोदी के लिए यह कहना मुमकिन हो भी सकता है, क्योंकि अब रूस ने भी भारत का साथ दिया है। भारत में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में शामिल होने से पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि तेल की आपूर्ति में भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह अनुचित खेल, अनुचित मुकाबला हमारे अनुबंधों को प्रभावित न करें। अमेरिका के जापान, भारत समेत अन्य देशों पर रूसी तेल न खरीदने के दबाव को अनुचित बताते हुए लावरोव ने कहा, यह औपनिवेशक (कॉलोनियल) या नव-औपनिवेशक तरीके हैं, आप इसे कुछ भी कह सकते हैं लेकिन यह दूसरों के शोषण करने के तरीकों की बात कर रहे हैं। इसके अलावा लावरोन ने कहा कि भारत की आजादी के बाद लंबे समय तक कोई भी पश्चिमी देश भारत की सैन्य क्षमता विकसित करने में मदद करने के लिए तैयार नहीं था। रूस ने भारत को न सिर्फ हथियार उपलब्ध कराए बल्कि कई तरह के हथियारों के उत्पादन के लिए तकनीक भी साझा की। रूसी विदेश मंत्री यहां न केवल भारत को रूस की दोस्ती याद दिला रहे हैं, बल्कि शायद नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक का दौर भी याद दिला रहे हैं, जब अमेरिका के आगे रुस को ही भारत ने तरजीह दी। जानकारों का भी मानना है कि इस समय रूस से तेल खरीदना ही हमारे लिए फायदेमंद है, क्योंकि जिन भी देशों से हम तेल खरीदते हैं वह इतने बड़े नहीं हैं कि वह रूस के बराबर तेल दे सकें।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ई-रिक्शा से यात्रा कर दिया ईंधन बचत व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

➲ शुक्रवार को ''नो व्हीकल डे'' मानते हुए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें ➲ ऊर्जा संरक्षण हेतु सोलर पैनल को बढ़ावा देने पर जोर ➲ रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए ➲ विभागीय उद्यानों एवं पार्कों में चलाया जायेगा जनजागरूकता अभियान: मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरूवार को मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अपील एवं मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशों के अनुपालन में ईंधन बचत व पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की है। इसी क्रम में उन्होंने अपने 19, गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास से उद्यान निदेशालय तक ई-रिक्शा के माध्यम से यात्रा कर जनसंदेश दिया कि सार्वजनिक परिवहन अपनाना समय की मांग है। उद्यान मंत्री ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनज़र ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर की गई अपील को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा कि आम जनमानस सप्ताह में कुछ दिन भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें तो ईंधन की खपत, प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव में कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर उद्यान विभाग में आयोजित बैठक में उद्यान मंत्री ने प्रदेश के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यालय, मंडल और जनपद स्तर पर ईंधन एवं ऊर्जा व्यय में कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को नो व्हीकल डे मनाया जाए एवं सार्वजनिक वाहनों का कार्यालय आने-जाने में प्रयोग करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अधिकतम बैठकें ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएं, अनावश्यक यात्रा न करें। साथ ही समान रूट पर आने वाले अधिकारी-कर्मचारी आपसी समन्वय से एक ही वाहन का उपयोग करें। उद्यान मंत्री ने ऊर्जा संरक्षण के संबंध में निर्देशित किया कि कार्यालयों में एसी का तापमान 24 डिग्री से कम न रखा जाए तथा कार्य समाप्ति के बाद सभी विद्युत उपकरण अनिवार्य रूप से बंद किए जाएं। सरकारी भवनों एवं प्रक्षेत्रों पर सोलर पैनल लगाने तथा सिंचाई के लिए सोलर पंप को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक स्ट्रीट लाइटें न जलाई जाएं। इसके अतिरिक्त, राजकीय पौधशालाओं एवं प्रक्षेत्रों पर रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। खाद्य तेल की खपत में कमी लाने तथा स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वयं भी इन उपायों को अपनाएं और आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें। उद्यान मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, ईंधन एवं ऊर्जा बचत केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने देश के आमजनमानस से इंधन व ऊर्जा बचत, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक परिवहन तथा स्वदेशी अपनाओ अभियान को जनांदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय पार्क एवं उद्यानों में इससे संबंधित प्रचार समाग्रियों के माध्यम जनजागरूकता फैलायी जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बी.एल. मीणा, वित्त नियंत्रक श्री अनिल कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक श्री सर्वेश कुमार व श्री राजीव वर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे तथा प्रदेश के समस्त अधिकारियों ने वर्चुअली प्रतिभाग किया।

तीन वर्षीय बालक का शव नहर में उतराता मिला

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सीतापुर। इलाके के डेवहारा निवासी मासूम बीते तीन दिनों से लापता का घुंघटेर थाना क्षेत्र बाबागंज-टिकैतगंज नहर में हाजीपुर गांव के पास गुरुवार को तीन वर्षीय बालक का शव उतराता मिला। शव से तेज दुर्गंध आने के कारण आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते चलें कि बाराबंकी जनपद के घुघटेर क्षेत्र नहर मे मिली मासूम की लाश की पहचान अटरिया थाना क्षेत्र के डेवहरा गांव निवासी दिव्यांश (3) पुत्र मेवालाल कश्यप के रूप में हुई। वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था। परिजनों के अनुसार दिव्यांश मंगलवार को अचानक घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। देर शाम अटरिया थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। परिजनों ने नातेदारी, रिश्तेदारी, आसपास के तालाब, नहर और जंगलों में भी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे अटरिया पुलिस ने सूचना दी कि घुंघटेर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव के पास नहर में एक बालक का शव उतराता दिखाई दिया है। ग्रामीणों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी थी।मौके पर पहुंचे पिता मेवालाल कश्यप ने शव की पहचान अपने बेटे दिव्यांश के रूप में की। बेटे का शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घुंघटेर थाना प्रभारी अभय कुमार मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अटरिया थाने में दर्ज गुमशुदगी के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

मोटर साइकिल चोरी करने वाले दो को किया गया गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो। दिनांक 14 मई 2026 को चेकिंग के दौरान नरोत्तमपुर नहर पुलिया के पास फंफूद रोड थाना कोतवाली जिला औरैया से 02 नफर अभियुक्त सन्जू पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम विलावा थाना अजीतमल हाल पता ब्लाक न0 05 कालौनी न0-50 थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया उम्र करीब 19 वर्ष एवं शिवम कुमार पुत्र दिनेश कुमार निवासी ग्राम पन्हर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया हाल पता गल्ला मण्डी के पीछे जगदीश चन्द्र मुर्गी फार्म के सामने मोहल्ला बनारसीदास औरैया उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया अभियुक्तों के पास से एक अदद मोटर साईकिल नंबर UP79AC 0078 स्पलेन्डर प्लस बरामद की गयी । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय थाना पर मु0अ0सं0-318/2026 धारा 303(2) /317(2) BNS पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

बड़ा मंगल की परंपरा को गंगा-जमुनी तहज़ीब की सबसे खूबसूरत मिसालों में से एक माना जाता है

लखनऊ। बड़ा मंगल की परंपरा को गंगा-जमुनी तहज़ीब की सबसे खूबसूरत मिसालों में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह की धर्मपत्नी द्वारा की गई थी और तभी से यह सिलसिला आज तक प्रेम, आस्था और इंसानियत के संदेश के साथ लगातार चलता आ रहा है। हर वर्ष हिंदू समाज पूरे श्रद्धा भाव से बड़े मंगल भंडारों का आयोजन करता है, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आपसी मेल-मोहब्बत, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन हाल ही में एक बड़े मंगल भंडारे के दौरान ऐसी घटना सामने आई जिसने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया। बताया गया कि मुस्लिम समाज के कुछ लोग प्रसाद ग्रहण करने पहुँचे, तभी वहाँ मौजूद एक व्यक्ति ने कथित तौर पर उनकी प्लेट यह कहते हुए छीन ली कि ये कटमुल्ले हैं और इन्हें इसमें शामिल नहीं होना चाहिए। इस तरह की मानसिकता न सिर्फ सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुँचाती है, बल्कि बड़े मंगल जैसे पवित्र आयोजन की भावना के भी विपरीत है। इस मामले को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी युवा मोर्चा सदस्य नौमिश त्रिपाठी से बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि बड़ा मंगल किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सेवा और भाईचारे का पर्व है। उन्होंने कहा कि समाज में नफरत फैलाने वाली सोच रखने वाले लोग हमारी साझा संस्कृति और एकता को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि हमारी तहज़ीब हमेशा से सर्वधर्म सम्मान और इंसानियत का संदेश देती आई है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि बड़े मंगल जैसे आयोजनों में धर्म और जाति से ऊपर उठकर हर व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, ताकि समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के हमीरपुर(महोबा)संसदीय क्षेत्र के सांसद द्वारा देश के प्रधानमंत्री के विरुद्ध की गई अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष कुसुम पटेल एवं जिला अध्यक्ष विनीता सिंह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पार्टी की सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर सपा सांसद के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मला सिंह पटेल ने कहा समाजवादी पार्टी के सांसद ने अपनी सवैधानिक गरिमा और पद की मर्यादा को ताक पर रखकर जिस प्रकार की अमर्यादित शब्दावली का प्रयोग किया है, उससे देश की संपूर्ण नारी शक्ति और जनता में भारी रोष है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, परंतु देश के प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी ओछी भाषा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। प्रदर्शन के दौरान उपस्थित महिलाओं ने अपने हाथों में पोस्टर, तख्तियां और बैनर ले रखे थे, जिस पर लिखा हुआ था। प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, सपा सांसद माफी मांगो, और अखिलेश यादव शर्म करो। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और सांसद के खिलाफ गगनभेदी नारेबाजी करते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। इस आक्रोश और प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से गीता शास्त्री, साधना पाण्डेय, विभव सिंह, रीना पात्रों, सबा परवीन, सुरेखा सिंह, नरगिस, मुमताज बानो, रेखा सोनी, सारिका सेठ , मंजू सिंह ,आरती पाठक, साधना सिंह ,चंद्रकला विश्वकर्मा, ममता राय, उषा सिंह, लक्ष्मी सिंह सहित महिला मोर्चा की भारी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहीं।

पीड़ित ने डीएम से रास्ता खुलवाने व आक्रमण हटाने की लगाई गुहार

अटरिया सीतापुर। कस्बा निवासी बबलू पुत्र रामकुमार के दो मासूम छात्र बुधवार को सीतापुर जिलाधिकारी को लिखित पत्र देकर बताया कि उनके घर के रास्ते पर विपक्षी भगवानदीन ने रास्ते पर आक्रमण फैला कर रास्ता बंद कर दिया है और घरेलू गंदा पानी बहते जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है विपक्षी से कई बार रास्ता सही करने की बात कही वह मारपीट पर आमादा हो जाते दोनों छात्रों ने जिलाधिकारी से रास्ता खुलवाने व आक्रमण हटाने की गुहार लगाई है।जिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए सिधौली नायक तहसीलदार सचिवालय व क्षेत्र लेखपाल ललित सिंह को मौके का महीना करने भेजा जहां जांच पड़ताल में दोनों पक्षों से वार्ता करते हुए शिकायतकर्ता को रास्ता दिलाने का काम किया गया नायब तहसीलदार शशिबाला ने बताया कि दोनों पक्षों की सहमति पर टीन के बाहर से पीड़ित पक्ष को घर के आवागमन के लिए रास्ता दिया गया है।

पीलीभीत बिजली विभाग कार्यालय में सुरक्षा नियमों की अनदेखी: खुले तारों से उपभोक्ताओं-कर्मचारियों की जान को खतरा

पीलीभीत। विद्युत सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाने वाला कोई और नहीं, बल्कि खुद बिजली विभाग है। पीलीभीत में अधिशासी अभियंता का कार्यालय इन दिनों अव्यवस्थाओं का केंद्र बना हुआ है। विद्युत सुरक्षा का पाठ पढ़ाने वाला विभाग अपने ही दफ्तर में मानकों को ताक पर रखकर काम कर रहा है, जिससे यहाँ आने वाले उपभोक्ताओं और कर्मचारियों की जान पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। अधिशासी अभियंता कार्यालय की हालत यह है कि यहाँ जगह-जगह बिजली के नंगे तार खुले में लटके हुए हैं। सबसे भयावह स्थिति उस जगह की है जहाँ उपभोक्ता बिजली का बिल जमा करने पहुँचते हैं। बिल काउंटर के ठीक ऊपर से गुजर रहे तार न केवल झूल रहे हैं, बल्कि कई जगहों से कटे हुए भी हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिल जमा करते समय उन्हें डर लगा रहता है कि कहीं कोई तार टूटकर उनके ऊपर न गिर जाए। नियमों की अनदेखी, जिम्मेदार बेपरवाह विद्युत सुरक्षा निदेशालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि सार्वजनिक स्थानों और कार्यालयों में वायरिंग सुव्यवस्थित और सुरक्षित होनी चाहिए, लेकिन अधिशासी अभियंता कार्यालय में इन नियमों का कहीं पालन होता नजर नहीं आ रहा। कार्यालय परिसर में फैला तारों का जाल विभाग की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है। अधीक्षण अभियंता ने दिए जांच के निर्देश जब इस गंभीर मामले को लेकर अधीक्षण अभियंता (एसई) भावेश कुमार सक्सेना से बात की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा- मामला मेरे संज्ञान में आया है। विद्युत सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। अधिशासी अभियंता को तत्काल निर्देश जारी किए जा रहे हैं कि कार्यालय की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए और खुले तारों को ठीक कराया जाए।

शासन के निर्देश पर उन्नाव में बड़ा अभियान, प्रेशर हॉर्न से लेकर ओवरलोड डंपरों तक पर कार्रवाई

उन्नाव। शासन एवं जिलाधिकारी उन्नाव के निर्देशों के क्रम में जनपद में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर, मानक विहीन स्कूल वाहनों तथा ओवरलोड डंपरों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कई वाहनों को सीज किया और भारी जुर्माना वसूला। अभियान के तहत सबसे पहले प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 8 वाहनों को बंद कराया गया, जबकि 12 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा पटाखा छोड़ने वाले एवं मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिलों पर भी शिकंजा कसा गया। कार्रवाई के दौरान 4 बुलेट मोटरसाइकिलों को कोतवाली उन्नाव में बंद कराया गया तथा 5 अन्य बुलेट के चालान किए गए। स्कूल वाहनों की जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

परिवहन विभाग की टीम ने दो ऐसे वाहनों को पकड़ा जिनके परमिट फेल पाए गए, जबकि एक वाहन फिटनेस मानकों पर खरा नहीं उतरा। इन तीनों वाहनों को थाने में बंद कराया गया। इसके अलावा तीन अन्य स्कूल वाहनों के चालान किए गए। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मानक विहीन एवं खटारा प्राइवेट वैनों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ऐसे 4 वाहन पकड़े गए जिनमें क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल लाया-ले जाया जा रहा था। सभी वाहनों को थाने में बंद करा दिया गया। ओवरलोडिंग और बॉडी बढ़ाकर चलने वाले भारी वाहनों पर भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। कार्रवाई के दौरान 3 डंपरों को थाना दही में बंद कराया गया। वहीं रात्रि में बिहार-बक्सर मार्ग पर चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में 3 और वाहनों को बिहार थाना क्षेत्र में बंद किया गया तथा 6 वाहनों के चालान किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस संयुक्त अभियान के दौरान कुल 14 लाख 61 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

डीएम ने अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल तेन्दुआ का किया औचक निरीक्षण

सीतापुर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल, ग्राम पंचायत तेन्दुआ, विकास खण्ड बिसवां का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी पशुओं के पंजीकरण रजिस्टर का अवलोकन करते हुये पशुओं की संख्या की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भूसा, हरा चारा, पीने हेतु पानी की उचित व्यवस्था रखी जाये ताकि पशुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि जिन गौवंशों की जियोटैगिंग नही हुयी हैं, उनकी जियोटैगिंग जल्द से जल्द करायी जाये। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी धर्मेन्द कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग का चेकिंग अभियान: अवैध बसें, ट्रक और मॉडिफाइड बुलेट सीज हुए

भारती। अवैध बसों व मॉडिफाइड वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने मियागंज चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना परमिट दौड़ रही करीब एक दर्जन गाड़ियों पर कार्रवाई की गई। अभियान में यीशु ट्रेवल्स सहित अन्य ट्रेवल्स की अवैध बसें, 2 एक बुलेट गाड़ी सहित अन्य गाड़ियों वहीं एक बुलेट में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा मिलने पर उसे भी जब्त कर लिया गया। इसके अलावा 10 अन्य वाहनों का चालान काटा गया। सीज किए गए वाहनों को औरास थाने में खड़ा कराया गया है। परिवहन विभाग के अनुसार, लगभग आधा दर्जन गाड़ियां सीज की गईं और लगभग आधा गाड़ियों के चालान किये गये। चेकिंग अभियान से वाहन चालकों और मालिकों में हड़कंप मच गया। कई ड्राइवर व मालिक अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर या छुपाकर निकलते देखे गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि औरास पुलिया से बऊवा ट्रेवल्स, यीशु ट्रेवल्स समेत कई ट्रेवल्स की बसें क्षमता से अधिक सवारी भरकर दौड़ती हैं।

लोगों ने कहा कि परिवहन विभाग और पुलिस विभाग की अनदेखी से अवैध संचालन बेखौफ जारी है। अधिकारियों ने कहा कि अवैध और नियमों के विरुद्ध चलने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पत्रकारिता दिवस की तैयारियों को लेकर एसोसिएशन के कार्यालय पर पत्रकारों की अहम बैठक संपन्न

ग़ाज़ीपुर। आगामी पत्रकारिता दिवस के भव्य आयोजन एवं उसकी रूपरेखा तय करने के लिए गुरुवार, 14 मई को कैंप कार्यालय बंशी बाजार पर प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने की तथा संचालन महासचिव वसीम रज़ा ने किया। बैठक में पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, संगोष्ठी और सम्मान समारोह के स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की मजबूती और पत्रकारों की एकजुटता पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित पत्रकार साथियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि सभी पत्रकार अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा से निर्वहन करें और अपनी मर्यादा का स्वयं ध्यान रखें। इस अवसर पर अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अपनी कलम की शक्ति और समाज के प्रति हमारी जवाबदेही को याद करने का दिन है। हम सभी को मिलकर इसे ऐतिहासिक बनाना है। महासचिव वसीम रज़ा ने उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के सभी साथी पूरी ऊर्जा और सहयोग के साथ इस आयोजन को सफल बनाने में जुट जाएं। बैठक के दौरान कई वरिष्ठ पत्रकारों ने भी अपने सुझाव साझा किए, जिन्हें सर्वसम्मति से कार्यक्रम की कार्ययोजना में शामिल किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष शिवेश कुमार पाण्डेय पंकज,सुजीत कुमार सिंह, सुनील कुमार गुप्ता, इन्द्र बहादुर सिंह, जय कुमार पाण्डेय, कमलदेव राय, आसिफ, महताब आलम, अभिषेक सिंह, इकरार, रवि , प्रदीप सहित अनेक पत्रकार साथी एवं संगठन के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने महिला थाना के प्रशासनिक भवन में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

सीतापुर। आर0आर0डी0सी0ए0 कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया-I, सीतापुर एवं जनपद सीतापुर के महिला थाना के प्रशासनिक भवन में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का आज जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आर0आर0डी0सी0ए0 कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया-I, सीतापुर में निर्माणाधीन सेमिनार हॉल, यंत्रशाला, भंडार गृह, थ्रेशिंग फ्लोर, हाइड्रोपोनिक इकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के मुख्य द्वार का अवलोकन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए एवं महिला थाना के प्रशासनिक भवन में सिविल कार्य, बाउन्ड्रीवाल आदि के कार्यो को देखते हुये कड़ी चेतावनी दी कि ससमय कार्य नहीं पूर्ण किया गया तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की जाये।

स्वदेशी व्यापारी जुटान के लिए लखनऊ पहुंचे राष्ट्रीय पदाधिकारी

■ स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारी करेंगे ज्वलंत समस्याओं पर होगी चर्चा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। देश के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर एकत्रित कर व्यापारी उद्यमियों की ज्वलंत समस्या का निराकरण करने के लिए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी व्यापारी जुटान मंच तैयार किया गया है। इस मंच की पहली राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ मेंशनिवार16 मई एवं रविवार 17 मई को ऐश बाग रोड स्थित होटल स्काई हाई में आयोजित की जा रही है। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष सुरेश छबलानी ने बताया कि आज स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संघटक, कश्मीरी लाल एवं सहसंगठक सतीश कुमार बैठक में भाग लेने के लिए लखनऊ पहुंच गए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं अखिल भारतीय सह संयोजक स्वदेशी व्यापारी जुटान संदीप बंसल के नेतृत्व में व्यापारियों ने स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का लखनऊ जंक्शन पर गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज सायंकाल कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई तथा कल शनिवार को दोपहर 2 बजे से राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक प्रारंभ की जाएगी। इस बैठक में देश भर के बीस राज्यों से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले लेंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक पहुंचने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारियों में नागपुर से कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक बालकृष्ण भरतिया स्वदेशी जागरण मंच के राकेश द्विवेदी राजीव कुमार प्रमुख हैं। आज कश्मीरी लाल एवं सतीश जी का स्वागत करने वाले प्रमुख पदाधिकारियों में लखनऊ के महामंत्री अनुज गौतम, शुभम मौर्या, अमरनाथ चौधरी, बलजीत सिंह मोदी, हितेश गर्ग स्वदेशी जागरण मंच अवध प्रांत के संयोजक अमित सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश आदर्श प्लास्टिक व्यापार मंडल की प्रभारी कमेटी का हुआ गठन

■भगवान दास, जितेंद्र धनवानी राहुल कनौजिया, मोहम्मद ग्यास प्रभारी कमेटी के सदस्य चुने गए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में राजधानी के प्लास्टिक उत्पाद से जुड़े हुए होलसेल ,रीटेल एवं निर्माण इकाइयों से जुड़े हुए व्यापारियों की एक बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश संजय गुप्ता के समक्ष प्लास्टिक क्षेत्र के व्यापारियों ने नगर निगम एवं विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी व्यापारियों से व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए कंधे से कंधा मिलाकर समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया अतिशीघ्र उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का प्रतिनिधि मंडल महापौर नगर आयुक्त एवं विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर सभी समस्याओं का समाधान कराएगा तथा आवश्यकता पड़ी तो हर स्तर पर संघर्ष करेगा बैठक में व्यापारियों की समस्याओं के समाधान लिए ÷उत्तर प्रदेश आदर्श प्लास्टिक व्यापार मंडल की प्रभारी कमेटी का गठन किया गया। प्रभारी कमेटी में भगवान दास, जितेंद्र धनवानी ,राहुल कनौजिया, मोहम्मद ग्यास को प्रभारी कमेटी के सदस्य के रूप में चुना गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजधानी के प्लास्टिक क्षेत्र के व्यवसायी मौजूद रहे।

सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान के विरोध में युवाओं ने फूंका पुतला, जताया आक्रोश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान को लेकर शुक्रवार को नगर के घंटाघर चौराहे पर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने आरोप लगाया कि इस प्रकार के बयान समाज में वैमनस्य और जहर घोलने का प्रयास हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नेता दिव्यांश अवस्थी ने कहा कि देश और समाज को जोड़ने की आवश्यकता है, लेकिन कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता वोट बैंक की राजनीति के लिए लोगों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं ने ऐसे बयानों की निंदा करते हुए कहा कि समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। प्रदर्शन के दौरान श्रेयश पांडेय ने कहा कि जो लोग संविधान और लोकतंत्र की बात करते हैं, वही सत्ता की राजनीति के लिए समाज में विभाजनकारी बयानबाजी कर रहे हैं। युवाओं ने आरोप लगाया कि संविधान की दुहाई देने वाले ही उसकी मर्यादाओं और मूल भावनाओं की धज्जियां उड़ाने का काम कर रहे हैं। घंटाघर चौराहे पर हुए प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने नारेबाजी करते हुए सपा प्रवक्ता के बयान पर सार्वजनिक माफी की मांग की। इस दौरान कुछ देर के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हो गया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नेता दिव्यांश अवस्थी एवं श्रेयस पाण्डेय, प्रिंस पाण्डेय, शिवम त्रिपाठी, अभिषेक तिवारी, उदय मिश्रा, हर्ष देव पाण्डेय, प्रियांशु विश्वकर्मा, देव तिवारी, और सहित अन्य युवा मौजूद रहे।

नर्सिंग अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया आयाम

➲ एसजीपीजीआई में 'अनुदान एवं प्रकाशन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। एसजीपीजीआई के कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा बृहस्पतिवार को टेलीमेडिसिन ऑडिटोरियम में ÷अनुदान एवं प्रकाशन रू नर्सिंग अनुसंधान एवं नवाचार को सशक्त बनाना÷ विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य नर्सिंग विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को शोध, वैज्ञानिक लेखन, प्रकाशन तथा रिसर्च अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. राधा के. के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में शोध एवं नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नर्सिंग अनुसंधान, वैज्ञानिक लेखन तथा ग्रांट लेखन के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. शालीन कुमार (डीन, एसजीपीजीआई), डॉ. अंकुर भटनागर (सब-डीन, नर्सिंग), मुख्य नर्सिंग अधिकारी मंजू सिंह तथा प्राचार्य डॉ. राधा के. प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने नर्सिंग रिसर्च से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए। प्रो. डॉ. मनीष दीक्षित ने शोध विषयों की पहचान एवं फंडिंग के अवसरों पर चर्चा की, जबकि डॉ. शगुन मिश्रा ने नर्सिंग रिसर्च में नैतिकता के महत्व को रेखांकित किया। अमेरिका से ऑनलाइन जुड़ीं डॉ. सुजायलक्ष्मी देवरायसमुद्रम ने नर्सिंग अनुसंधान में नवाचार और वैश्विक सहयोग पर अपने विचार साझा किए। डॉ. अंशुमान एलहेंस ने बौद्धिक संपदा अधिकार एवं रिसर्च ईमानदारी पर जानकारी दी। डॉ. आलोक कुमार ने प्रभावी ग्रांट प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया समझाई, वहीं डॉ. रोहित एंथनी सिन्हा ने वैज्ञानिक लेखन एवं शोध पत्र प्रकाशन की बारीकियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त प्रो. डॉ. अमित गोयल ने रिसर्च परियोजनाओं की निगरानी एवं मूल्यांकन पर प्रकाश डाला। प्रो. डॉ. विकास अग्रवाल ने शोध प्रस्तावों के अस्वीकृत होने के प्रमुख कारणों और उन्हें बेहतर बनाने के उपाय बताए। डॉ. सी.पी. चतुर्वेदी ने प्लेजरिज्म (साहित्यिक चोरी) से बचाव तथा प्रकाशन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों ने रिसर्च, फंडिंग, प्रकाशन एवं प्लेजरिज्म से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से समाधान किया। कार्यशाला का समापन पोस्ट-टेस्ट एवं वैलेडिक्टरी सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर लखनऊ के विभिन्न प्रतिष्ठित नर्सिंग महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, शोधकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं नर्सिंग अधिकारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम के आयोजन सचिव श्री यादिद्या, डॉ. अंजू वर्मा एवं श्री आशुतोष के. चंचल रहे, जिनके प्रयासों से कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 से

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय में स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 मई 2026 से प्रारम्भ होंगी। परीक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा को लेकर कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने बैठक की। जिसमें परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार मिर्जापुर में 51, सोनभद्र में 32 तथा भदोही में 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त कुल 20 नोडल केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें मिर्जापुर में 11, सोनभद्र में 5 और भदोही में 4 केंद्र शामिल हैं। बैठक में प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों की भी समीक्षा की गई। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर का लगभग 90 प्रतिशत परीक्षाफल घोषित किया जा चुका है, जबकि शेष परिणाम प्रयोगात्मक परीक्षाओं के अंक प्राप्त न होने के कारण लंबित हैं। बैठक में परीक्षा नियंत्रक ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय की परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 मई से शुरू होंगी। परीक्षाएं नकलविहीन, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संपन्न कराई जाएंगी। सभी केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा शुरू होने से पहले अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच सुनिश्चित कर लें, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा विद्यार्थियों को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित परीक्षा वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों को पूर्ण पारदर्शिता, अनुशासन और शुचिता के साथ परीक्षाएं संपन्न कराने के निर्देश दिए।

सात गांवों से गुजरेगा एनएच 35 संपर्क मार्ग

➲ देवापुर से भटौली सेतु तक 7 गांवों में ली जायेगी किसानों की जमीन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मिर्जापुर। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान देवापुर (एनएच-35) से भटौली सेतु को जोड़ने के प्रस्तावित बाईपास मार्ग निर्माण पर चर्चा किया गया। बैठक में मार्ग निर्माण के लिए प्रभावित किसानों के साथ भूमि क्रय को लेकर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि बाईपास मार्ग निर्माण के लिए प्रभावित सात गांवों दुल्लहपुर, भुईली पाण्डेय, भुईली दूबे, माधोपुर, शिवमऊ, बैदौली खुर्द एवं जौसरा के किसानों से आपसी सहमति के आधार पर भूमि क्रय की प्रक्रिया प्रस्तावित है। बैठक में इन गांवों के प्रभावित किसानों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने किसानों को हेक्टेयर वार मुआवजे की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सहमति के आधार पर पूरी की जाएगी। उन्होंने किसानों की शंकाओं का समाधान करते हुए परियोजना की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान किसानों ने भूमि क्रय के संबंध में सहमति जताई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि क्रय एवं मार्ग निर्माण से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं, ताकि परियोजना का कार्य शीघ्र शुरू कराया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित बाईपास मार्ग बनने से जनपद में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी तथा भारी वाहनों के दबाव में कमी आएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजय कुमार सिंह, भूमि अध्याप्ति अधिकारी गुलाब चंद, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार सहित विभाग के सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता मौजूद रहे।

गोष्ठी के उपरान्त पुलिस लाइन का भ्रमण/निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा 卐ऑपरेशन कन्विक्शन卐 के तहत मुकदमों में न्यायिक कार्यो के समयबद्ध व विधिनुसार संपादन हेतु कोर्ट मुहर्रिर व पैरोकार की गोष्ठी के उपरान्त पुलिस लाइन का भ्रमण/निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा राजकुमार मीणा पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व कनिष्क आर. जामकर सहायक पुलिस अधीक्षक के साथ पुलिस लाइन स्थित माँ विन्ध्यवासिनी सभागार कक्ष में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं 卐ऑपरेशन कन्विक्शन卐 के तहत अपराधियों को मा0न्यायालय में अधिकाधिक सजा कराने तथा न्यायिक कार्यो के समयबद्ध एवं विधि अनुसार सम्पादन हेतु समस्त थानों के कोर्ट मुहर्रिर व पैरोकार के साथ गोष्ठी की गयी । शासन के द्वारा चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत विवेचनाओं के गुणवात्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं विधिक रूप से निस्तारण होने के उपरान्त अभियोजन में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों के विरूद्ध यथाशीघ्र सशक्त एवं प्रभावी पैरवी की कार्यवाही कर सजा कराने तथा मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत सम्मन, वारण्ट, बीडब्ल्यू, एनबीडब्ल्यू का शत् प्रतिशत समयबद्ध तामिला कराये जाने के संबंध में एवं पुराने अभियोगों के यथाशीघ्र निस्तारण के संबंध में समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए उक्त बैठक के उपरान्त पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा पुलिस लाइन भ्रमण/निरीक्षण के क्रम में परिवहन शाखा सहित अन्य शाखाओं, बैरकों, शौचालय, भोजनालय एवं जिम हॉल इत्यादि भ्रमण कर सम्बन्धित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया । इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन/यातायात सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहें ।

सरोजनी नगर डेंगू मलेरिया जैसे बीमारियों से जुझ रहा अमौसी गांव

दो साल से जलभराव की समस्या का नहीं हुआ समाधान
क्षेत्रीय सभासद, नगर निगम और विधायक, सांसद के पास नहीं है जनता की समस्याओं समाधान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। राजधानी सरोजनी नगर प्रथम वार्ड के अमौसी गांव की जनता का बुरा हाल है कोई सुनने वाला नहीं आप को बता दे कुछ दिनों पहले एक मामला अमौसी गांव चाकोलिया टोला जिसमें वहां की जनता का कहना है कि दो साल से यहां जलभराव की समस्या है लेकिन इसकी जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। क्षेत्र वासियों का कहना है इसी रास्ते पर एक मस्जिद भी जिसमें नमाज़ पढ़ने के लिए जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है कई बार इस जल मगन रास्ते में लोग गिर भी चुके हैं लेकिन क्षेत्र की सभासद, नगर निगम, सांसद और विधायक के पास दासियों बार इस समस्याओं से अवगत कराया गया लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। आप को बता दे ये रास्ता तीन मार्गों को जुड़ता है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बच्चों को स्कूल जाने में काफी समस्या होती हैं उन्हें कई बार स्कूल में देर होने की वजह से वापस भी भेज दिया जाता है और वहाँ की जनता इस जल भराव के कारण संक्रमण रोगों से भी परेशान है। वहां की जनता की सरकार से अपील है कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द कराया जाए जिससे लोगों को बीमारी और और स्कूल जाने वाले बच्चों को इस समस्या से छुटकारा मिल सके।

थानाध्यक्ष निराला तिवारी की सख्ती: आत्महत्या के लिए उकसाने वाला वांछित 24 घंटे में सलाखों के पीछे

लखीमपुर खीरी। अपराधी कितना भी शातिर हो, खीरी पुलिस की गिरफ्त से बच नहीं सकता - इस बात को थाना खीरी के तेज-तर्रार थानाध्यक्ष निराला तिवारी ने एक बार फिर साबित कर दिया। स्ह निराला तिवारी की अगुवाई में थाना खीरी पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने जैसे गंभीर मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर स्कक खीरी के अपराध-मुक्त जिले के संकल्प को मजबूत किया है। कैसे मिली सफलता स्कक खीरी के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान थानाध्यक्ष निराला तिवारी खुद मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने टीम गठित कर उ0नि0 शुभम कुमार व हे0का0 उमेश कुमार को टास्क दिया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मु0अ0सं0 324/2026 धारा 108 ब्हस में वांछित सूरज कुमार पुत्र हरीशंकर, निवासी बनिका को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी 19 वर्ष का है और लंबे समय से फरार चल रहा था।थानाध्यक्ष निराला तिवारी की कार्यशैली स्थानीय लोगों की मानें तो स्ह निराला तिवारी के चार्ज संभालने के बाद से थाना खीरी क्षेत्र में अपराधियों में खौफ है। जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए उन्होंने कई वांछितों को जेल भेजा है। इस कार्रवाई से पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है। आगे की कार्रवाई-थानाध्यक्ष निराला तिवारी ने बताया कि आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है। थाना क्षेत्र में किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वांछितों की धरपकड़ जारी रहेगी।

साइकिल को ब्रांड बनाने की मोदी जी की कोशिश, सपा की दूरदर्शिता की जीत- अनीस मंसूरी

❑सपाई विरासत ही अब देश की लाइफलाइन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व मंत्री और पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने साइकिल को लेकर चल रही देशव्यापी चर्चाओं के बीच एक बड़ा राजनीतिक बयान जारी किया है। श्री मंसूरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा साइकिल को बढ़ावा देना दरअसल समाजवादी पार्टी की वैचारिक जीत और उसकी दूरदर्शिता पर मुहर है। उन्होंने गर्व से कहा कि जिस साइकिल को समाजवादी पार्टी ने दशकों पहले आम आदमी की जरूरत और संघर्ष का प्रतीक बनाया था, आज प्रधानमंत्री भी उसी %सपाई राह% पर चलने को मजबूर है। अनीस मंसूरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा से साइकिल को केवल एक %चुनाव चिन्ह% नहीं, बल्कि आम आदमी की गरिमा और आत्मनिर्भरता के सशक्त माध्यम के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सालों तक जो लोग इसे छोटा समझते थे, आज वही इसे %फिट इंडिया% और %ऊर्जा संरक्षण% का नेशनल ब्रांड बता रहे हैं। यह साबित करता है कि जो रास्ता समाजवादियों ने सालों पहले चुना था, वही आज देश को बचाने का एकमात्र विकल्प है। साइकिल अब राजनीति के गलियारों से निकलकर देशहित और पर्यावरण सुधार का सबसे बड़ा संदेश बन चुकी है। अनीस मंसूरी ने प्रधानमंत्री से मांग की कि यदि वे वास्तव में साइकिल को देशहित और पर्यावरण संरक्षण का माध्यम मानते हैं, तो उन्हें केवल प्रचार से आगे बढ़कर जनता को आर्थिक राहत देनी चाहिए। समाजवादी नेता ने मांग रखी कि⁻ टैक्स मुक्त सवारी⁻ केंद्र और राज्य सरकारें साइकिल, ई-बाइक और ई-स्कूटर पर से जीएसटी और आरटीओ फीस को तत्काल प्रभाव से शून्य करें। गरीब हितैषी परिवहन साधनों को खरीदने के लिए भारी सब्सिडी और विशेष छूट दी जाए। अब सपा की पहचान% बनी %देश की जरूरत% श्री मंसूरी ने अपनी राजनैतिक फिलॉसफी साझा करते हुए कहा कि साइकिल अब किसी दल के दायरे से बाहर निकलकर राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है। उन्होंने कहा कि अगर आज देश का पैसा पेट्रोल-डीजल के बजाय बच रहा है और प्रदूषण कम हो रहा है, तो इसका श्रेय उस %साइकिल% को जाता है जिसे समाजवादियों ने सींचा है। उन्होंने अंत में बेहद सधे हुए अंदाज में कहा, ÷साइकिल चलाना सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि देश के प्रति वफादारी और महंगाई के खिलाफ एक मौन क्रांति है। हम खुश हैं कि आज पूरा देश उसी रास्ते पर चलने की बात कर रहा है, जिसकी बुनियाद समाजवाद पर टिकी है। अब सरकार को चाहिए कि वह टैक्स कम करके साइकिल को हर गरीब के लिए सुलभ बनाए।

मोतीनगर में विशेष फिजियोथेरेपी सेवा का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। महाराजा अग्रसेन धर्मार्थ चिकित्सालय, मोतीनगर, लखनऊ में शुक्रवार से विशेष फिजियोथेरेपी सेवा का शुभारंभ किया गया। यह सेवा मात्र ?100 शुल्क में आमजन के लिए उपलब्ध कराई गई है। चिकित्सालय में पुरुष एवं महिला दोनों फिजियोथेरेपिस्ट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सेवा का समय प्रतिदिन सायं 5 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया गया है। साथ ही पैथोलॉजी जांच में 50 प्रतिशत तक की विशेष छूट भी दी जा रही है। इस चिकित्सालय में मात्र ?20 के पर्चे में दवा सहित इलाज किया जाता है, जो कि लगभग नि:शुल्क सेवा के समान है। संस्थान द्वारा समाज के सभी वर्गों को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। अग्रवाल शिक्षा संस्थान के मीडिया प्रभारी सुधीश गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में चिकित्सालय की नई फिजियोथेरेपी सेवाओं एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इस सेवा का उद्देश्य आमजन को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं चिकित्सकों ने भविष्य में भी जनसेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चेयरमैन विजय कुमार अग्रवाल, को-चेयरमैन विनोद कुमार अग्रवाल, को-चेयरमैन तेजेन्द्र प्रकाश हवेलिया, लोकराम अग्रवाल, मनोज हवेलिया, राजीव अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल (टाटा), राजेंद्र अग्रवाल , धर्मपाल अग्रवाल , डॉ. एस.पी. मौर्य, डॉ. ए. सहाय एवं अखंड भारत सम्राट सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को समाजहित में एक सराहनीय कदम बताते हुए संस्थान के प्रयासों की प्रशंसा की।

दीपिका पादुकोण को हिट फिल्म के बाद भी ताने मिले

दीपिका पादुकोण ने 2007 में फिल्म 'ओम शांति ओम' से डेब्यू कर स्टारडम हासिल किया, लेकिन उन्हें आलोचना और तानों का सामना करना पड़ा। उनकी डायलॉग डिलीवरी और एक्सेंट का मजाक उड़ाया गया, जिससे वह मानसिक रूप से टूटने लगीं। करियर के पीक पर होने के बावजूद 2014 के आसपास वह डिप्रेशन का शिकार हुईं। उन्होंने थैरेपी और आत्मविश्वास के सहारे खुद को संभाला। इस दौर के बाद 'कॉकटेल', 'ये जवानी है दीवानी', 'पद्मावत' और 'पठान' से उन्होंने टॉप एक्ट्रेसेस में जगह बनाई। आज दीपिका की नेटवर्थ ₹500 करोड़ से ज्यादा ज्यादा है। आज की सक्सेस स्टोरी में दीपिका पादुकोण के करियर और निजी जीवन से जुड़ी बातें जानते हैं।मॉडलिंग करियर के चलते पढ़ाई बीच में छोड़ दीदीपिका पादुकोण का जन्म 5 जनवरी 1986 को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुआ था। उनके पिता प्रकाश पादुकोण मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। बचपन में उनका परिवार बेंगलुरु शिफ्ट हो गया। उन्होंने स्कूली पढ़ाई सोफिया हाई स्कूल से की और आगे माउंट कार्मेल कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग करियर के चलते पढ़ाई छोड़ दी। मॉडलिंग में एंट्री और पहला ब्रेक दीपिका शुरुआत में अपने पिता की तरह बैडमिंटन खिलाड़ी बनना चाहती थीं, लेकिन टीनेज में उनका झुकाव मॉडलिंग की ओर हो गया। उन्होंने छोटे प्रोजेक्ट्स से शुरुआत की और पहचान बनाई। उन्हें बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क के लिए मॉडलिंग की। इसके बाद लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक किया, जिससे वह इंडस्ट्री में नोटिस हुईं। सूटकेस साथ कैब में ही सो जाती थीं मॉडलिंग के दौरान मुंबई आने पर दीपिका को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दीपिका कहती हैं- मैं एक नए शहर में अकेले आई थी। मेरे पास सिर्फ मेरा बैग था, और मैं उसे लेकर इधर-उधर भटकती रहती थी। मैं देर रात तक काम करती थी और सूटकेस लेकर कैब में हर जगह जाती थी। कई बार मैं उसी कैब में सो जाती थी। कन्नड़ फिल्म से एक्टिंग डेब्यू मॉडलिंग में सफलता के बाद दीपिका को फिल्म का ऑफर मिला। उन्होंने 2006 में कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से एक्टिंग करियर शुरू किया। यह फिल्म बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने फिल्ममेकर्स का ध्यान खींचा। बॉलीवुड में एंट्री और चुनौतियां मॉडलिंग के दौरान दीपिका पादुकोण ने हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो 'नाम है तेरा' में काम किया था। इसी से उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और कॉन्फिडेंस ने डायरेक्टर फराह खान का ध्यान खींचा। फराह खान नई और फ्रेश फेस की तलाश में थीं। उन्हें लगा कि 70 के दशक की अभिनेत्री शांति प्रिया के किरदार के लिए दीपिका फिट हैं। इसके बाद उनका ऑडिशन हुआ और उन्हें फिल्म के लिए फाइनल किया गया। डायलॉग डिलीवरी और एक्टिंग स्किल्स पर सवाल उठे शाहरुख खान के साथ उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'ओम शांति ओम' बनी, जो 2007 की बड़ी हिट फिल्मों में रही और दीपिका स्टार बन गईं। इस दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उनके एक्सेंट और डायलॉग डिलीवरी का मजाक उड़ाया गया, एक्टिंग स्किल्स पर सवाल उठे और आउटसाइडर होने का दबाव बना रहा। दीपिका पादुकोण ने इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में बताया था- जब मेरी फिल्म 'ओम शांति ओम' रिलीज हुई, तो मेरे एक्सेंट और डिक्शन को लेकर लोगों ने काफी मजाक उड़ाया। यह मेरे लिए बहुत हर्टफुल था, और उस वक्त ऐसी बातें सुनना आसान नहीं था। कई रिव्यूज में मेरी एक्टिंग, एक्सेंट और टैलेंट तक पर सवाल उठाए गए। मुझे ट्रोल भी किया गया, और इससे मैं मानसिक रूप से काफी परेशान हो गई थी। निगेटिविटी को खुद पर हावी नहीं होने दिया दीपिका बताती हैं- उस समय मुझे लगा था कि लोग मेरी परफॉर्मेंस से खुश नहीं हैं या मुझे राइट ऑफ कर दिया गया था। मैं टूट सकती थी, निराश हो सकती थी, या कह सकती थी कि अब मैं यह नहीं कर सकती। लेकिन मैंने उस निगेटिविटी को खुद पर हावी नहीं होने दिया। एक खराब रिव्यू ने मुझे खुद पर काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं मानती हूं कि निगेटिविटी भी अच्छी हो सकती है- यह इस पर निर्भर करता है कि आप उसे कैसे लेते हैं। मुश्किल दौर से निकलकर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई 'ओम शांति ओम' के बाद दीपिका पादुकोण ने 'बचना ऐ हसीनों', 'चांदनी चौक टू चाइना', 'लव आजकल', 'कार्तिक कॉलिंग कार्तिक', 'हाउसफुल', 'लफंगे परिंदे', 'ब्रेक के बाद', 'खेले हम जी जान से', 'आरक्षण' और 'देसी बॉयज' जैसी फिल्में कीं। इनमें 'लव आजकल', 'हाउसफुल' और 'बचना ऐ हसीनों 'हिट रहीं, बाकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। 2012 में रिलीज फिल्म 'कॉकटेल' को उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जाता है। इसमें उनके वेरोनिका डी'कोस्टा किरदार को सराहा गया था और उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकन मिला था। इसके बाद 'ये जवानी है दीवानी', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'गोलियों की रासलीला-रामलीला' जैसी हिट फिल्में देकर उन्होंने खुद को टॉप एक्ट्रेस के रूप में स्थापित किया। करियर के पीक पर टूटीं, डिप्रेशन ने घेरा करियर के पीक समय पर दीपिका पादुकोण 2014 के आसपास डिप्रेशन से जूझ रही थीं। वो अंदर से टूट चुकी थीं। केबीसी में दीपिका ने कहा था- मैं अपने करियर के पीक पर थी, सब कुछ बाहर से बिल्कुल परफेक्ट लग रहा था, तब एक सुबह मुझे अचानक बहुत अजीब सा एहसास हुआ। कुछ दिनों में मुझे समझ आया कि मैं डिप्रेशन में हूं। अकेलेपन में जंग, किसी से नहीं कही बात मैंने किसी को नहीं बताया। मैं अकेली मुंबई में रहती थी और अंदर ही अंदर टूट रही थी। कई दिनों तक मैं रोती रहती थी, मुझे जीने का मन नहीं करता था और सब कुछ खाली लगने लगा था। मैं किसी से बात नहीं करती थी। मां के सामने टूटा सब्र, शुरू हुई पहचान जब मेरी मां मुंबई आईं और वापस जाने लगीं, तो मैं खुद को रोक नहीं पाई और उनके सामने रो पड़ी। तब उन्हें समझ आया कि कुछ गलत हो रहा है। इसके बाद मुझे पता चला कि यह डिप्रेशन है और मैंने थैरेपी लेना शुरू किया। शुरुआत में इसे छुपाकर रखा, लेकिन धीरे-धीरे समझ आया कि इसके बारे में बात करना जरूरी है। थैरेपी के बाद 'लिव लव लाफ' से नई राह डिप्रेशन के दौरान मैंने 'लिव लव लाफ फाउंडेशन' शुरू किया। अपने दर्द को समझते हुए मैंने डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों की मदद करने का फैसला किया। मैंने फाउंडेशन इसलिए खोला, ताकि ऐसे लोगों तक मदद पहुंच सके। यहां आने वाले लोगों के साथ मैंने अपना अनुभव साझा किया, ताकि वे भी उससे उबर सकें। डिप्रेशन से वापसी, करियर को मिला नया मोड़ डिप्रेशन से उबरने के बाद दीपिका पादुकोण ने करियर में वापसी की। 2014 के बाद उनका सफर नए मोड़ पर पहुंचा, जहां उन्होंने कंटेंट-ड्रिवन और बड़े बजट फिल्मों में खुद को साबित किया। लगातार सफल फिल्मों से उन्होंने इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाई और आलोचकों व दर्शकों का भरोसा जीता। हिट फिल्मों की लंबी लिस्ट, इंटरनेशनल पहचान दीपिका की फिल्मों में 'पीकू' और 'बाजीराव मस्तानी' को सराहना मिली, जबकि 'तमाशा' में उनके अभिनय की चर्चा हुई। 2017 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'एक्सएक्सएक्सरू रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से इंटरनेशनल पहचान बनाई। 2018 में रिलीज 'पद्मावत' उनके करियर की ब्लॉकबस्टर रही। हालांकि इस फिल्म के दौरान सबसे बड़ा विवाद भी हुआ था। फिल्म में दीपिका रानी पद्मावती के किरदार में थीं। कई राजपूत संगठनों ने आरोप लगाया कि फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ रही है। विरोध इतना बढ़ा कि सेट पर हमले, दीपिका को नाक काटने की धमकियां और फिल्म के बैन की मांग तक हुई। इसके बाद 'छपाक', '83' और 'गहराइयांश् में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। 'छपाक' की रिलीज के समय दिल्ली के जेएनयू में छात्रों पर हमले के बाद दीपिका का वहां जाना चर्चा और विवाद दोनों का विषय बन गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन और विरोध,दोनों तरह की प्रतिक्रियां मिलीं, और कुछ जगहों पर फिल्म को बॉयकॉट की भी मांग उठी। बॉक्स ऑफिस पर दबदबा, बड़े प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हाल के सालों में दीपिका का स्टारडम बढ़ा है। 'पठान' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की, जबकि 'जवान' में उनका कैमियो चर्चा में रहा। फिल्म 'पठान' के गाने बेशर्म रंग में उनके भगवा रंग की बिकिनी पहनने पर बड़ा विवाद खड़ा हुआ। कई समूहों ने इसे आपत्तिजनक बताया और फिल्म के बहिष्कार की मांग हुई। इसके बाद 'फाइटर' और 'कल्कि 2898 एडी' में उनकी अहम भूमिका रही। आने वाले समय में वह 'किंग' में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। साथ ही 'राका' में अल्लू अर्जुन के साथ उनकी जोड़ी दिखेगी, जो पैन इंडिया स्तर पर बन रही है। नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए से ज्यादा एक्टिंग के साथ दीपिका बिजनेस और सोशल वर्क से जुड़ी हैं। उनका स्किनकेयर ब्रांड 82एम् चर्चा में है, जहां वे स्किन और वेलनेस प्रोडक्ट्स से सीधे बिजनेस करती हैं। वे फिल्म प्रोडक्शन और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं। लाइफस्टाइल एशिया हॉन्ग कॉन्ग के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

श्रेया घोषाल ने खरीदा नया अपार्टमेंट

बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल अक्सर किसी ना किसी गाने या फिर स्टेज शोज को लेकर चर्चा में रहती हैं लेकिन अब वह किसी गाने की वजह से नहीं बल्कि नई संपत्ति खरीदने की वजह से सुर्खियों में हैं. सिंगर को लेकर जानकारी सामने आ रही है कि उन्होंने मुंबई के सांताक्रूज में लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है. सीआरई मैट्रिक्स प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, सिंगर श्रेया घोषाल ने अपनी नई प्रॉपर्टी परिवार के सदस्यों के साथ खरीदी है. जानकारी के मुताबिक, श्रेया घोषाल ने अपने पेरेंट्स शर्मिष्ठा घोषाल और बिस्वजीत घोषाल के साथ खरीदी है. उनकी नई प्रॉपर्टी मुंबई के सांताक्रूज पश्चिम इलाके में है. श्रेया घोषाल के अपार्टमेंट का एरिया और कीमत श्रेया घोषाल का नया अपार्टमेंट सरोजिनी रोड, सांताक्रूज वेस्ट मुंबई में है. उनके घर के एरिया की बारे में बात की जाए ये 2601 स्कायर फीट में है और इसमें 299 स्कायर फीट में बालकनी है, जिसके बाद उनका अपार्टमेंट 2900 स्कायर फीट में है. इस अपार्टमेंट का ट्रांजेक्शन रजिस्ट्रेशन 24 अप्रैल, 2026 को दर्ज किया गया है. डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, इसकी कीमत 20.88 करोड़ है. जबकि सिंगर ने 1.25 करोड़ की स्टेम्प ड्यूटी भी चुकाई है. इसमें तीन कार की पार्किंग का स्पेस भी दिया गया है. घोषाल फैमिली ने तीन महीने में खरीदी 3 प्रॉपर्टी गौरतलब है कि घोषाल परिवार ने पिछले तीन महीनों में यह तीसरी प्रॉपर्टी मुंबई में खरीदी है. संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, इसी महीने की शुरुआत में घोषाल परिवार ने मुंबई के वर्ली में लगभग 60 करोड़ रुपये में दो आलीशान अपार्टमेंट खरीदे थे. श्रेया ने इससे पहले गोदरेज ट्रिलॉजी में दो अपार्टमेंट खरीदे थे. प्ळत् प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड्स के अनुसार, इस अपार्टमेंट का टोटल एरिया 2750.28 स्कायर फीट है. इसमें तीन पार्किंग का स्पेस भी है. इसके लिए उन्होंने 1.78 करोड़ रुपये स्टेम्प ड्यूटी दी थी और रजिस्ट्रेशन चार्जेस 30 हजार था. इसे 1 अप्रैल, 2026 को रजिस्टर कराया गया था.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
शनिवार, 16 मई, 2026

चौथे स्ट्राइकर वाले बयान पर कोच हैरान, बोले- मैंने ऐसा कभी नहीं कहा

काइलिन एमबाप्पे गुरुवार को रियाल मैड्रिड के ओविएडो के खिलाफ स्पेनिश लीग फुटबॉल मैच में शुरुआती लाइनअप में जगह न मिलने के बाद कहा कि कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने उनसे कहा कि वह टीम के चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं। अर्बेलोआ ने हालांकि एमबाप्पे की बात पर हैरानी जताई और कहा कि उन्होंने कभी इस तरह की बात नहीं की थी और वह नहीं जानते कि फ्रांस के इस फुटबॉलर को ऐसा क्यों लग रहा है। एमबाप्पे बाएं पांव में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से परेशान थे लेकिन उन्होंने कहा कि वह ओविएडो के खिलाफ शुरू से खेलने के लिए तैयार थे, लेकिन अर्बेलोआ ने उन्हें मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''मैं पूरी तरह से फिट हूं लेकिन मैं इसलिए नहीं खेला क्योंकि कोच ने मुझसे कहा कि मैं टीम में (फ्रेंको) मास्टांटुओनो, विनी (विनीसियस जूनियर) और गोंजालो (गार्सिया) के बाद चौथी पसंद का स्ट्राइकर हूं। मैं इसे स्वीकार करता हूं।'' एमबाप्पे ने कहा, ''मैं शुरुआती लाइनअप में खेलने के लिए तैयार था, यह उनका फैसला था। आप कोच से नाराज नहीं हो सकते, आपको हमेशा कोच की राय का सम्मान करना चाहिए। मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा और शुरुआती लाइनअप में जगह बनाने का इंतजार करूंगा।'' अर्बेलोआ ने बाद में कहा कि उन्होंने एमबाप्पे से कभी नहीं कहा कि वह टीम में चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पास चार स्ट्राइकर नहीं हैं और मैंने एमबाप्पे को ऐसा कुछ नहीं कहा। मुझे लगता है कि वह मेरी बात को सही तरह से नहीं समझ पाए। मैं उन्हें कभी यह नहीं कह सकता कि वह चौथी पसंद के स्ट्राइकर हैं।

तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक ने छीनी पंजाब की जीत, मुंबई ने 201 रन का लक्ष्य किया हासिल

इंडियन प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में बृहस्पतिवार को मुंबई इंडियन्स ने मेजबान पंजाब किंग्स को छह विकेट से मात दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 200 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मुंबई ने तिलक वर्मा की आतिशी पारी के दम पर 19.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। पंजाब के लिए यह हार बेहद चुभने वाली है, क्योंकि यह उनकी लगातार पांचवीं हार है। पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्ले ऑफकी दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक और विल जैक्स (10 गेंद में नाबाद 25, दो चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 20 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (48) ने भी उम्दा पारी खेली। तिलक ने शेरफेन रदरफोर्ड (20) के साथ भी चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। इससे पहले सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (57 रन, 32 गेंद, छह चौके, चार छक्के) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा प्रियांश आर्य (22) के साथ पहले विकेट के लिए 50 और कूपर कोनोली (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर पंजाब को ठोस मंच प्रदान किया लेकिन शारदुल (39 रन पर चार विकेट) ने बीच के ओवरों में मुंबई को जोरदार वापसी दिलाई। दीपक चाहर ने भी 36 रन देकर दो विकेट चटकाए। अजमतुल्लाह उमरजई ने हालांकि अंत में 17 गेंद में दो चौकों और चार छक्कों से 38 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर आठ विकेट पर 200 रन तक पहुंचाया। लगातार पांचवीं हार के बाद पंजाब की टीम 12 मैच में 13 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम नौवें स्थान पर है। उसके 12 मैच में आठ अंक हैं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियन्स को रेयान रिकेल्टन (48) ने तेज शुरुआत दिलाई। रिकेल्टन ने अजमतुल्लाह (36 रन पर दो विकेट) पर छक्के के साथ शुरुआत की और फिर मार्को यानसेन की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने जेवियर बार्टलेट की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। रोहित शर्मा ने भी बार्टलेट पर छक्का जड़ा। मुंबई ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए। रिकेटल्टन हालांकि इसके बाद उमरजई की गेंद पर प्रियांश को कैच दे बैठे। उन्होंने 23 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके मारे। नमन धीर (09) ने आते ही अजमतुल्लाह पर छक्का जड़ा लेकिन यानसेन की गेंद पर अर्शदीप को कैच दे बैठे। रोहित भी 25 रन बनाने के बाद युजवेंद्र चहल (32 रन पर एक विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए। तिलक वर्मा ने बार्टलेट पर लगातार दो चौके मारे। मुंबई के रनों का शतक 12वें ओवर में पूरा हुआ। मुंबई को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 72 रन की दरकार थी।

बार-बार खुद को साबित नहीं करूंगा

2027 विश्वकप पर कोहली की दो टूक य किससे बोले- या भरोसा रखो, या सामना करो?

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज कोहली ने 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। विराट ने साफ कहा कि अगर उन्हें अपनी कीमत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह उस माहौल में नहीं रहना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह हमेशा क्रिकेट के लिए तैयार रहते हैं और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देने में कभी पीछे नहीं हटते। विराट का यह बयान ऐसे समय आया है जब उनके भविष्य और 2027 वर्ल्ड कप में उनकी जगह को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए विराट कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर और 2027 वनडे विश्व कप को लेकर खुलकर बात की। विराट ने कहा, श्मेरा नजरिया बिल्कुल साफ है। अगर मैं जिस माहौल का हिस्सा

हूं उसमें वैल्यू जोड़ सकता हूं और उस माहौल को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं, तो मैं खेलता रहूंगा। लेकिन अगर मुझे ऐसा महसूस कराया जाए कि मुझे अपनी कीमत और अहमियत साबित करनी है, तो मैं उस जगह पर नहीं रहना चाहता।श् उन्होंने आगे कहा, श्मैं अपनी तैयारी के साथ पूरी तरह ईमानदार हूं। मैं जिस तरह खेल को अपनाता हूं, उसमें पूरी मेहनत करता हूं। भगवान ने मुझे मेरे क्रिकेट करियर में बहुत कुछ दिया है और इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।श् क्या है पूरा मामला? विराट का यह बयान उन चर्चाओं को तूल दे रहा है, जिसमें कहा जा रहा था कि टीम इंडिया में सबकुछ ठीक नहीं है। पिछले साल रोहित शर्मा और उसके बाद विराट कोहली ने अचानक टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी। दोनों अब सिर्फ वनडे खेलते हैं और कई बार यह बात सामने आई कि दोनों का 2027 के वनडे विश्वकप में हिस्सा लेना भी तय नहीं है। ऐसा कहा गया था कि दोनों ने बीसीसीआई से ये कहा है कि वह खेलने को लेकर कमिटेड नहीं हैं। फिर कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच सबकुछ ठीन नहीं होने की रिपोर्ट्स भी आई थीं। हालांकि, तीनों ने कभी खुलकर इस पर कुछ नहीं बोला, लेकिन इस विवाद ने काफी तूल पकड़ी थी। रोहित को 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद अचानक कप्तानी से हटा दिया गया था। श्40 ओवर तक दौड़ना पड़े तो भी तैयार हूंश् विराट ने कहा कि वह टीम के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, श्अगर आप चाहते हैं कि मैं वनडे मैच में 40 ओवर तक बाउंड्री से बाउंड्री तक दौड़ूं, तो मैं बिना शिकायत ऐसा करूंगा। क्योंकि मैं उसी हिसाब से तैयारी करता हूं। मैं हर गेंद को अपने करियर की आखिरी गेंद मानकर खेलता हूं। मैं उसी तरह बल्लेबाजी करता हूं, विकेटों के बीच दौड़ता हूं और टीम के लिए हर संभव कोशिश करता हूं।श् कोहली ने साफकहा कि इतनी मेहनत और समर्पण के बाद अगर उन्हें खुद को साबित करना पड़े, तो वह माहौल उनके लिए नहीं है। विजय हजारे ट्रॉफी ने बदल दी सोच विराट ने दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के अनुभव को भी याद किया। लगभग दो दशक बाद घरेलू वनडे टूर्नामेंट खेलने उतरे विराट ने शानदार प्रदर्शन किया था।

अर्श से फर्श पर कैसे गिरी पंजाब की टीम?

धर्मशाला। आईपीएल 2026 में एक समय प्लेऑफ की मजबूत दावेदार नजर आ रही पंजाब किंग्स की स्थिति अब मुश्किल होती दिख रही है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पंजाब के पास अभी भी क्वालिफाई करने का मौका है, लेकिन इसके लिए उन्हें अपने बाकी मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी और दूसरे मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए यह बड़ा मौका बन गया है। दोनों टीमें लगातार जीत के साथ प्लेऑफ की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश कर सकती हैं। आईपीएल 2026 अब अपने सबसे रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। दो टीमें, लखनऊ सुपर जाएंट्स और मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। अब बाकी आठ टीमों के बीच टॉप-चार के लिए जबरदस्त जंग चल रही है। कुछ टीमें जीत के साथ अपना टिकट पक्का कर सकती हैं, जबकि कुछ को दूसरे मैचों

आईपीएल 2026

कुछ टीमों को जीत चाहिए, कुछ को चमत्कार

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रनरेट
RCB	12	8	4	0	16	+1.053
GT	12	8	4	0	16	+0.551
SRH	12	7	5	0	14	+0.331
PBKS	12	6	5	1	13	+0.355
CSK	11	6	5	0	12	+0.185
RR	11	6	5	0	12	+0.082
DC	12	5	7	0	10	-0.993
KKR	11	4	6	1	9	-0.198
MI (बाहर)	12	4	8	0	8	-0.504
LSG (बाहर)	11	3	8	0	6	-0.907

मौजूदा अंक तालिका

के नतीजों और नेट रन रेट (छत्) का सहारा चाहिए होगा। गुरुवार को आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को छह विकेट से हराया। हालांकि, इस जीत के बावजूद अंक तालिका में एमआई की स्थिति नहीं बदली। वहीं, लगातार पांचवीं हार झेलने वाली पंजाब चौथे स्थान पर बरकरार है। हालांकि, टीम पर अब बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अगले दो मैच में उन्हें जीत हासिल करनी ही होगी। एक भी हार उन्हें प्लेऑफ के रेस से बाहर कर देगी। अब चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के पास शीर्ष चार में जगह बनाने का अच्छा मौका है। आइए पहले अंक तालिका का हाल जानते हैं... अंक तालिका का हाल मुंबई इंडियंस के 12 मुकाबलों में अब आठ पॉइंट्स हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर ही बनी हुई है। एमआई पहले ही प्लेऑफकी दौड़ से बाहर हो चुकी है। 12 मुकाबलों में 16 पॉइंट्स के साथ रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पहले स्थान पर काबिज है। वहीं, इतने ही मुकाबलों में 16 पॉइंट्स के साथ गुजरात टाइटंस (जीटी) दूसरे स्थान पर मौजूद है। आरसीबी का नेट रन रेट जीटी से बेहतर है। सनराइजर्स हैदराबाद 12 मुकाबलों में 14 पॉइंट्स के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है। लगातार पांचवीं हार के बावजूद पंजाब किंग्स चौथे स्थान पर कायम है। हालांकि, पीबीकेएस के लिए प्लेऑफ की राह अब थोड़ी मुश्किल हो गई है। पंजाब किंग्स के 12 मुकाबलों के बाद 13 पॉइंट्स हैं। चेन्नई सुपर किंग्स 11 मुकाबलों में 12 पॉइंट्स के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज है। राजस्थान रॉयल्स के भी 11 मुकाबलों में 12 पॉइंट्स हैं और टीम छठे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स 10 पॉइंट्स के साथ सातवें, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स नौ पॉइंट्स के साथ आठवें स्थान पर है। अब जानते हैं कि किस टीम का समीकरण क्या है... सबसे मजबूत स्थिति में आरसीबी रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु इस समय 16 अंकों और शानदार 1.053 नेट रन रेट के साथ टेबल में सबसे मजबूत स्थिति में है। टीम के दो मैच बाकी हैं

लगातार पांच हार के बाद पोंटिंग से लंबी चर्चा करती दिखीं प्रीति जिंटा

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली लगातार पांचवीं हार के बाद पंजाब किंग्स की प्लेऑफउम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। मैच के बाद टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के बीच हुई गंभीर बातचीत की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुंबई ने तिलक वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी और शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी के दम पर पंजाब को छह विकेट से हराया। अब पंजाब के लिए प्लेऑफकी राह बेहद मुश्किल हो गई है। पंजाब के लिए आईपीएल 2026 का सफर अब बेहद कठिन होता जा रहा है। आईपीएल 2026 में शुरुआती सात मुकाबलों में अजेय रहने वाली पंजाब की टीम अब प्लेऑफकी दौड़ में फंस गई है। टीम को मुंबई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जो उनकी लगातार पांचवीं हार रही। इस हार के बाद पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग दूसरे नतीजों पर निर्भर हो गई हैं। मैच खत्म होने के बाद पंजाब किंग्स की सह-मालकिन प्रीति जिंटा और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के बीच लंबी और गंभीर चर्चा देखने को मिली। दोनों की बातचीत की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। लगातार पांच हार के बाद पंजाब के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने भी टीम को फटकार लगाई है। हैडिन ने खिलाड़ियों को साफचेतावनी दी है कि अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं बची है। ब्रैड हैडिन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, श्हमारे पास अभी दो मैच बाकी हैं और अच्छी बात यह है कि किस्मत अब भी हमारे हाथ में है। लेकिन अब कल जैसा कुछ नहीं है। अब किसी और बात की चर्चा नहीं होगी। हमें अपने बाकी दोनों मैच हर हाल में जीतने होंगे। बात इतनी ही सीधी है। जिस तरह हमने टूर्नामेंट की शुरुआत की थी और अब जहां खड़े हैं, उससे हम भी उतने ही निराश हैं जितने आप लोग हैं। अब हमें अगले दो मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा ताकि फाइनल खेलने का मौका मिल सके।श् श्दबाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी टीमश् उन्होंने माना कि टीम दबाव वाले मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी।

अर्थ जगत

अब पैसे जुटाने का तरीका बदलाय चीन के पूंजी बाजार में पहली बार जारी किया पांडा बॉन्ड

इस्लामाबाद। गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को एक बार फिर चीन का सहारा मिला है। पाकिस्तान ने चीन के पूंजी बाजार में पहली बार पांडा बॉन्ड जारी कर 25 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। पढ़िए रिपोर्ट- आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान अब कर्ज जाल में बुरी तरह फंस गया है।

एक बार फिर वह पैसे जुटाने के लिए वह अपने सदाबहार मित्र चीन के पास पहुंचा है। हालांकि, इस बार उसका पैसे जुटाने का तरीका बदल गया है। दरअसल, पाकिस्तान ने पहली बार चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पांडा बॉन्ड जारी किया है और 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। इसके साथ ही उसका चीन के पूंजी बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश हो गया है। पांडा बॉन्ड क्या है? पांडा बॉन्ड चीन की मुद्रा रेनमिनबी (आरएमबी) में जारी किया जाता है। इसे कोई विदेशी संस्था, संप्रभु सरकार, अंतरराष्ट्रीय संगठन या बहुराष्ट्रीय कंपनी चीन के घरेलू पूंजी बाजार में बेचती है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने क्या कहा? पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने गुरुवार को बताया कि इस बॉन्ड पर 2.5 प्रतिशत ब्याज दर रखी गई है। इसकी अवधि तीन साल की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह पहला पांडा बॉन्ड तीन साल की निश्चित ब्याज दर वाला वित्तीय साधन है। यह चीन के घरेलू पूंजी बाजार में पाकिस्तान का पहला रिनमिनबी आधारित सरकारी बॉन्ड है। जिओ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने अंतराष्ट्रीय निवेशकों की नजरों के बीच पाकिस्तान ने 75 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए यूरो बॉन्ड जारी किया था। सऊदी से पैसे लिए और यूएई को लौटाए रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद को सऊदी अरब से अतिरिक्त तीन अरब डॉलर की जमा राशि भी मिली और उसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.4 अरब डॉलर लौटाए। इसके अलावा, पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से भी 1.3 अरब डॉलर की आर्थिक मदद मिली है। वित्त मंत्रालय के सलाहकार ने क्या कहा? यह घटनाक्रम वित्त मंत्री औरंगजेब के चीन रवाना होने के एक दिन बाद सामने आया, जहां वह पाकिस्तान के पहले पांडा बॉन्ड जारी करने के समारोह में शामिल होने गए थे। एक बयान में खुर्रम शहजाद ने कहा कि 1.75 अरब आरएमबी (करीब 25 करोड़ डॉलर) के इस पांडा बॉन्ड को निवेशकों की जबरदस्त मांग मिली।

महंगाई की चौतरफा मार- पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों ने बिगाड़ा बजट, जेब खाली करने को रहें तैयार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने थोक महंगाई को 42 महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। ईंधन, बिजली और पेट्रोलियम की महंगाई में भारी वृद्धि हुई है। हालांकि सब्जियों के दाम घटे हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी और बढ़ते घाटे ने संकट बढ़ा दिया है। देश में महंगाई का जिन्न एक बार फिर बाहर निकल आया है, जिससे आम आदमी की कमर टूटना तय माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। लगातार कमजोर होते रुपये और ईंधन की बढ़ती कीमतों की वजह से थोक महंगाई अब अपने 42 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। रसोई गैस से लेकर बिजली और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुए इस अप्रत्याशित उछाल ने आने वाले दिनों में बड़े आर्थिक झटकों के संकेत दे दिए हैं। ईंधन और पेट्रोलियम की कीमतों में कितनी भारी बढ़ोतरी हुई है? वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में ईंधन और बिजली की महंगाई दर उछलकर 24.71 फीसदी पर पहुंच गई है। यह पिछले साढ़े तीन साल का सबसे ऊंचा स्तर है। कच्चे पेट्रोलियम की बात करें तो इसकी महंगाई दर 88.06 फीसदी तक जा पहुंची है, जो साढ़े चार साल में सबसे ज्यादा है। सबसे चौंकाने वाला उछाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दिखा है। पेट्रोल की महंगाई दर मार्च के 2.50 फीसदी से बढ़कर सीधे 32.40 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि डीजल की दर भी 3.26 फीसदी से बढ़कर 25.19 फीसदी हो गई है। रसोई गैस (एलपीजी) भी मार्च के मुकाबले काफी महंगी हुई है। क्या पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी होने वाली है? कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर 50 फीसदी तक की वृद्धि होने के बावजूद सरकार ने फिलहाल पेट्रोल और घरेलू रसोई गैस के दाम स्थिर रखे हैं। सरकार की कोशिश थी कि जनता को इस बोझ से बचाया जाए, लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को देखते हुए यह राहत ज्यादा दिन तक चलना मुमकिन नहीं लग रहा है। कंपनियों के बढ़ते नुकसान की भरपाई के लिए सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा कर सकती है। इसके अलावा अल-नीनो के प्रभाव और अनाज की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच महंगाई को काबू करना अब मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। आम आदमी की थाली पर इस महंगाई का क्या असर पड़ा है? महंगाई के इस दौर में राहत की बात केवल सब्जियों के मोर्चे पर दिखी है। आंकड़ों के मुताबिक आलू, प्याज और अन्य सब्जियों की महंगाई दर में गिरावट आई है। प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर करीब 26 फीसदी और आलू में 30 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। दालों की कीमतें भी नियंत्रण में रही हैं। हालांकि, दूध, फल, अंडे और मांस-मछली की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खाने-पीने की चीजों के अलावा रसायनों और विनिर्मित उत्पादों (कारखानों में बनने वाला सामान) की महंगाई दर भी बढ़ी है, जिसका मतलब है कि आने वाले समय में रोजमर्रा की अन्य वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। आरबीआई और आपके बैंक लोन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस पूरे साल के लिए महंगाई का औसत अनुमान 4.6 फीसदी लगाया था, लेकिन थोक महंगाई के 8.3 फीसदी पर पहुंचने से आरबीआई का गणित बिगड़ गया है। जब कंपनियों की लागत (थोक भाव) बढ़ती है, तो वे इसका बोझ आम ग्राहकों पर डालती हैं। जानकारों का मानना है

यूरोप भी चखेगा भारत का स्वाद: बाजारों में भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों का दबदबा, अब निर्यात के लिए रास्ता साफ

नई दिल्ली। भारत अब यूरोपीय संघ के बाजारों में समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात जारी रख सकेगा। यूरोपीय संघ ने संशोधित मसौदा सूची में भारत को शामिल कर लिया है। यह सफलता भारत द्वारा उत्पादों को हानिकारक दवाओं से मुक्त रखने की गारंटी देने के बाद मिली है। यूरोपीय संघ भारतीय सीफूड के लिए तीसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसकी कुल निर्यात मूल्य में 18.94 फीसदी हिस्सेदारी है। आइए, विस्तार से समझते हैं... भारत अब यूरोपीय संघ के देशों में अपने समुद्री उत्पादों का निर्यात बिना किसी बाधा के जारी रख सकेगा। यूरोपीय संघ ने अपनी नई और संशोधित मसौदा सूची में भारत का नाम शामिल कर लिया है, जिससे भारतीय व्यापारियों और मछुआरों के लिए विदेशी कमाई का रास्ता पूरी तरह साफहो गया है। पहले इस बात का डर था कि भारत को इस सूची से बाहर रखा जा सकता है, लेकिन अब सरकार के प्रयासों के बाद भारत ने अपनी जगह पक्की कर ली है। यूरोपीय संघ की सूची में भारत का नाम शामिल होना क्यों जरूरी था? यूरोपीय संघ दुनिया के उन बाजारों में से एक है जहाँ खाने-पीने की चीजों को लेकर बहुत सख्त नियम होते हैं। भारत पहले उन देशों की सूची में शामिल नहीं था जिन्हें सितंबर 2026 से पशु मूल के उत्पादों के निर्यात की अनुमति मिलने वाली थी। यदि भारत इस सूची में नहीं आता, तो भारतीय मछली और अन्य समुद्री उत्पादों का यूरोप जाना बंद हो सकता था। लेकिन अब भारत ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि हमारे यहाँ से भेजे जाने वाले उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और यूरोपीय संघ के सभी कड़े मानकों को पूरा करते हैं, जिसके बाद हमें यह हरी झंडी मिल गई है। भारत ने निर्यात को सुरक्षित बनाने के लिए कौन से बड़े कदम उठाए? भारत को इस सूची में शामिल करने के पीछे सबसे बड़ी वजह स्वास्थ्य सुरक्षा है। असल में, यूरोपीय संघ इस बात को लेकर बहुत गंभीर है कि जानवरों या मछलियों के पालन में ऐसी दवाओं का उपयोग न हो जो इंसानों के लिए हानिकारक हों। भारत ने गारंटी दी कि यूरोपीय संघ को भेजे जा रहे उत्पाद रोगाणुरोधी औषधीय उत्पादों और मानव चिकित्सा के लिए संरक्षित दवाओं से पूरी तरह मुक्त हैं। आसान भाषा में कहें तो भारतीय सीफूड में ऐसी किसी दवा का अंश नहीं है जो सेहत बिगाड़ दे। इसी भरोसे और आश्वासन के बाद यूरोपीय संघ ने भारत को अपनी सुरक्षित देशों की सूची में जगह दी है। भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग के लिए यूरोपीय बाजार कितना महत्वपूर्ण है? यूरोपीय संघ भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों के लिए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2025-26 के दौरान भारत ने यूरोप को 1.593 अरब डॉलर मूल्य का सीफूड निर्यात किया। पूरे भारत से होने वाले समुद्री उत्पाद निर्यात में अकेले यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 18.94 फीसदी है। यह बाजार इतना बड़ा है कि अगर यहाँ निर्यात रुकता, तो भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। अब रास्ता साफहोने से न केवल व्यापार बढ़ेगा, बल्कि देश के राजस्व में भी बड़ा इजाफा होगा। निर्यात की इस मंजूरी का आने वाले समय में क्या असर होगा? इस मंजूरी के बाद अब भारतीय समुद्री उत्पादों की साख पूरी दुनिया में और बढ़ेगी। यूरोपीय संघ ने साफकहा है कि संशोधित सूची में केवल उन्हीं देशों को जगह दी गई है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।